दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

मर्यादा, सुशासन और शांति के ...8

बलरामपुर
शुक्रवार ,27 मार्च 2026
वर्षः 05 अंक : 174 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

ईरान–इजरायल युद्ध के बीच बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दुनिया में अराजकता, पीएम मोदी के राज में भारत सुरक्षित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मध्य पूर्व में चल रहे संघर्षों विशेष रूप से ईरान, इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच चल रहे युद्धों के वैश्विक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईरान और इजराइल के बीच, और ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध से पूरा मध्य पूर्व प्रभावित है और लगभग पूरी दुनिया प्रभावित है। आदित्यनाथ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता बनी हुई है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि लेकिन दुनिया में अफरा–तफरी मची हुई हैय अव्यवस्था और अराजकता फैली हुई है। भारत में, प्रधानमंत्री के शानदार और गौरवशाली नेतृत्व में, हम सुरक्षित हैं और निडर होकर विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के लोगों से संभावित चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने का आग्रह किया और राष्ट्रीय संकट के समय सरकार के साथ एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब कोई आपदा आती है या कोई चुनौती उत्पन्न होती है, तो उसका सामना करने के लिए व्यक्ति को सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए तैयार रहना चाहिए। यही सच्ची देशभक्ति है। जब हम किसी भी राष्ट्रीय मुद्दे पर सरकार के साथ मिलकर काम करते हैं, तो परिणाम हम सबके सामने होते हैं। हमारी देशभक्ति इसी से परिभाषित होगी कि यदि सरकार ने देश के हित में कोई कदम उठाया है, तो हम उसके लिए स्वयं को तैयार रखें। खाना पकाने के गैस सिलेंडरों से संबंधित चिंताओं को दूर करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि लाइन में लगने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने सलाह दी कि युद्ध से पहले, अगर किसी के घर में एक गैस सिलेंडर एक महीने तक चलता था, तो आज वह पांचवें या छठे दिन सिलेंडर लेने के लिए क्यों दौड़ रहा है? सुनिए, जब आपकी बारी आने वाली हो, तो उससे तीन या पांच दिन पहले जाकर अपना पंजीकरण करवा लें, और खाना पकाने की गैस आपके घर पहुंच जाएगी। अफवाहें फैलाने के संदर्भ में उन्होंने कहा कि कुछ लोग अफवाहें फैलाकर माहौल खराब करना चाहते हैं। कुछ लोग अव्यवस्था पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने गलत सूचनाओं से बचने के महत्व पर जोर दिया और जनता से शांत रहने का आग्रह किया। योगी आदित्यनाथ ने भारत के ऊर्जा भविष्य की रूपरेखा भी प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने हरित हाइड्रोजन ऊर्जा और जापान के साथ तकनीकी सहयोग पर बल दिया। उन्होंने ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू की गई पहलों का जिक्र करते हुए कहा, "हरित हाइड्रोजन ऊर्जा एक महत्वपूर्ण माध्यम बनने जा रही है।

आईआरजीसी नेवी कमांडर अलीरेजा तंगसीरी भी मारे गये

ईरान का गुस्सा आसमान पर,मध्य एशिया में आग भड़की

पश्चिम एशिया की जंग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है और हालात हर गुजरते घंटे के साथ और ज्यादा विस्फोटक बनते जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि बंदर अब्बास में इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर नौसेना के कमांडर अलीरेजा तंगसीरी की लक्षित हमले में मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। यह वही शख्स था जिसने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की रणनीति तैयार की थी, जो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की धुरी माना जाता है।

तंगसीरी की मौत सिर्फ एक सैन्य घटना नहीं है, यह सीधे तौर पर वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज पर वार है। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल का गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र पर नियंत्रण की लड़ाई अब खुलकर सामने आ चुकी है। हम आपको बता दें कि पिछले कुछ दिनों में तंगसीरी लगातार अमेरिका के ठिकानों को निशाना बनाने की धमकी दे रहा था, जिससे साफ था कि ईरान टकराव को चरम पर ले जाने की तैयारी में था। इसी बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान ने सौ मिसाइलें दागीं, जिन्हें पूरी तरह हवा में ही मार गिराया गया। यह बयान जहां अमेरिकी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन है, वहीं यह संकेत भी देता है कि युद्ध अब तकनीकी श्रेष्ठता की दौड़ बन चुका है। ट्रंप का यह भी कहना है कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन डर के कारण खुलकर सामने नहीं आ पा रहा।

दूसरी ओर, खारग द्वीप पर ईरान की सैन्य गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। यह द्वीप ईरान के लगभग नब्बे प्रतिशत तेल निर्यात का केंद्र है। यहां अतिरिक्त वायु रक्षा प्रणाली और सैनिक तैनाती इस बात का संकेत है कि ईरान संभावित अमेरिकी हमले के लिए खुद को किले में बदल रहा है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि इस क्षेत्र पर हमला किसी भी पक्ष के लिए भारी नुकसान का सौदा साबित हो सकता है।

इस बीच, खाड़ी सहयोग परिषद ने साफ शब्दों में कहा है कि ईरान ने सारी लाल रेखाएं पार कर दी हैं। परिषद ने कहा है कि सऊदी अरब और कुवैत की रिफाइनरियों पर हमले और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सीधा हमला है। परिषद का कहना है कि यह सिर्फ क्षेत्रीय तनाव नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा बन चुका है। परिषद ने चेतावनी दी है कि यह संकट अब अंतरराष्ट्रीय बन गया है।

राम नवमी पर पीएम मोदी का राष्ट्र के नाम संदेश

प्रभु राम के आशीर्वाद से पूरा होगा विकसित भारत का संकल्प

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राम नवमी के अवसर पर नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और सभी के कल्याण की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि भगवान राम का आशीर्वाद देश को विक्षित और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की ओर मार्गदर्शन करेगा। राम नवमी भगवान राम के जन्म का प्रतीक है, जिन्हें हिंदू धर्म में भगवान विष्णु के सातवें अवतार के रूप में पूजा जाता है। यह त्योहार नौ दिवसीय चौत्र नवरात्रि के दौरान पड़ता है और सत्य, करुणा और धर्म जैसे मूल्यों पर चिंतन करने का समय है। एक संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि देश भर में मेरे देशवासियों को राम नवमी के अवसर पर असीम शुभकामनाएं। मर्यादा पुरुषोत्तम के त्याग, तपस्या और संयम से भरे जीवन से हमें

प्रेरणा मिलती है कि हम हर परिस्थिति का पूरी शक्ति से सामना करें। उन्होंने आगे कहा कि उनके आदर्श न केवल भारत की जनता बल्कि समस्त मानवता का अनंत काल तक मार्गदर्शन करते रहेंगे। मेरी कामना है कि भगवान राम की कृपा से सभी का कल्याण सुनिश्चित हो और विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प की पूर्ति का मार्ग प्रशस्त हो। भगवान राम को धर्म, सत्य और कर्तव्य का प्रतीक माना जाता है और उनका जीवन लाखों लोगों को नैतिक आचरण और मूल्यों के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता रहता है। उन्हें अक्सर आदर्श शासक और मनुष्य के रूप में देखा जाता है, जो सद्गुण, अनुशासन और न्याय का प्रतीक हैं। इस अवसर पर, देश भर के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रार्थना करने और अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए एकत्रित हुए। इन अनुष्ठानों में आमतौर पर उपवास, भक्ति गीत, रामायण पाठ और ध ाार्मिक जुलूस शामिल होते हैं। आज सुबह प्रधानमंत्री ने चौत्र नवरात्रि के आठवें दिन, जो देवी महागौरी को समर्पित है, की शुभकामनाएं दीं।

बीजेपी को मिला रिकॉर्ड चंदा

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय दलों को मिलने वाले चंदे में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 2024–25 में 161 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सत्तारूढ़ भाजपा को सबसे अधिक चंदा मिला है, जो अन्य सभी राष्ट्रीय दलों को मिले कुल चंदे से दस गुना से भी अधिक है। गुरुवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 में राष्ट्रीय दलों द्वारा घोषित 20,000 रुपये से अधिक के कुल चंदे 11,343 प्राप्त चंदों से 6,648.563 करोड़ रुपये रहे। इनमें से भाजपा को अकेले 5,522 चंदों से 6,074. 015 करोड़ रुपये मिले, जबकि कांग्रेस को 2,501 चंदों से 517. 394 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।

हम केरला की, ए–टीम हैं

शशि थरूर का बड़ा दावा– कांग्रेस जीतेगी 100 सीटें

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने केरल विध ाानसभा चुनावों में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राज्य में शून्य सीटों वाली पार्टी बताकर खारिज कर दिया। चुनाव से पहले बोलते हुए थरूर ने एएनआई से कहा कि यह मत भूलिए कि केरल में भाजपा की एक भी सीट नहीं है। असली मुकाबला यूडीएफ और एलडीएफ के बीच है। हमारे पास अच्छे उम्मीदवार हैं, अनुभवी उम्मीदवार हैं और कुछ नए चेहरे भी हैं। लोग एलडीएफ के कुशासन से तंग आ चुके हैं और भाजपा इसका समाधान नहीं है क्योंकि उनमें कोई क्षमता नहीं है। असल में, विधानसभा में उनकी एक भी सीट नहीं है और अगर उन्हें एक, दो या तीन सीटें भी मिल जाएं, तो वे बड़ी जीत का दावा करेंगे। शशि थरूर ने आगे कहा कि लोग सकारात्मक सोच वाली, नई और ताजगी भरी सरकार चाहते हैं, जो केरल का सपना है। मेरा बस यही संदेश है। कांग्रेस पार्टी केरल में 85 से 100 सीटें जीतेगी। 'बी टीम' विवाद पर बोलते हुए थरूर ने कहा कि यह सरासर बेतुका है।

ट्रम्प का ईरान को फाइनल वार्निंग, देर होने से पहले सुधर जाओ, अंजाम अच्छा नहीं होगा

वासिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि ईरानी वार्ताकार एक समझौते के लिए भीख मांग रहे थे जबकि उनके अनुसार देश सैन्य रूप से पूरी तरह तबाह हो चुका था, और उन्होंने तेहरान के इस सार्वजनिक बयान को खारिज कर दिया कि वह केवल वाशिंगटन के प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा कि ईरानी वार्ताकार बहुत अलग और अजीब हैं। वे हमसे समझौता करने की भीख मांग रहे हैं, जो उन्हें करना ही चाहिए क्योंकि सैन्य रूप से उनका पूरी तरह सफाया हो चुका है और उनके वापसी की कोई संभावना नहीं है, फिर भी वे सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि वे केवल हमारे प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं। गलत!!! डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा कि उन्हें जल्द ही गंभीरता दिखानी चाहिए, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, क्योंकि एक बार ऐसा हो गया तो फिर पीछे मुड़ना संभव नहीं होगा, और परिणाम अच्छे नहीं होंगे। ये टिप्पणियां वाशिंगटन और तेहरान की ओर से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों को लेकर विरोधाभासी संकेतों के बीच आई हैं।

नायरा एनर्जी ने बढ़ाए पेट्रोल–डीजल के दाम, टंकी फुल कराने की मची होड़

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध का असर अब सीधा आपकी जेब पर पड़ने लगा है। भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट तेल कंपनी, नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। इसके चलते पेट्रोल ध्5.30 और डीजल ध्3 प्रति लीटर तक महंगा हो गया है। पिछले कुछ हफ्तों से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट गहरा रहा है, जिसकी वजह से भारत में भी ईंधन की कीमतें धीरे–धीरे बढ़ रही हैं।

क्यों बढ़ रहे हैं दाम?

दुनिया भर में तेल की सप्लाई का एक बड़ा हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते आता है। युद्ध की वजह से यह रास्ता लगभग बंद हो गया है। इसके अलावा, अमेरिका और ईरान द्वारा एक–दूसरे की तेल सुविधाओं पर किए जा रहे हमलों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कमी पैदा कर दी है। नायरा एनर्जी, जिसके पास भारत के करीब 7,000 पेट्रोल पंप हैं, ने कहा है कि कच्चा तेल महंगा होने की वजह से उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। कंपनी ने बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा अब ग्राहकों से वसूलने का फैसला किया है।

पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड़

तेल की कमी और बढ़ती कीमतों की खबरों के बीच कई राज्यों में अफरा–तफरी का माहौल है। लोग अपने वाहनों की टंकियां फुल कराने के लिए पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगा रहे हैं। सिर्फ पेट्रोल ही नहीं, बल्कि रसोई गैस की भी किल्लत देखी जा रही है, जिससे गैस डिपो के बाहर लोगों की भारी भीड़ जमा है।

शहरों में पेट्रोल–डीजल का हाल

देश के बड़े शहरों में तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। हैदराबाद में पेट्रोल सबसे महंगा है, जहां गुरुवार को कीमत ध107.46 प्रति लीटर दर्ज की गई। डीजल भी यहां ध्95.70 के साथ सबसे ऊंचे स्तर पर है। मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में भी पेट्रोल की कीमत ध100 प्रति लीटर के पार बनी हुई है। गुड़गांव में पेट्रोल ध्95.57 और नोएडा में ध्95.16 पहुंच गया है।

जिस आसिया अंद्राबी पर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने का आरोप साबित हुआ, उसके समर्थन में उतरीं महबूबा

श्रीनगर। । भारत ने अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को दी गई आजीवन कारावास की सजा पर पाकिस्तान की आपत्ति को सख्ती से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भारत की न्यायिक प्रक्रिया पर टिप्पणी करने का पाकिस्तान को कोई अधिकार नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर मुद्दे को लेकर चल रहे तनाव को उजागर कर दिया है। हम आपको बता दें कि दिल्ली की एक अदालत ने हाल ही में प्रतिबंधित संगठन दुख्तरान ए मिल्लत की प्रमुख आसिया अंद्राबी को गैर कानूनी गतिविधि निवारण कानून सहित कई गंभीर धाराओं में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

एलपीजी संकट पर अखिलेश का बीजेपी पर तंज

एक कचौरी, एक समोसा... अब एलपीजी पर नहीं भरोसा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को पश्चिम एशिया संकट के चलते एलपीजी की कमी की खबरों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों ने नागरिकों, विशेषकर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों पर बोझ डाला है और उन्हें कठिनाइयों में धकेल दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने कतारों के सिवा कुछ नहीं दिया। उनका जो भी फैसला होता है, उससे मैं, आप और हर कोई एक कतार में खड़ा हो जाता है। लेकिन इस बार

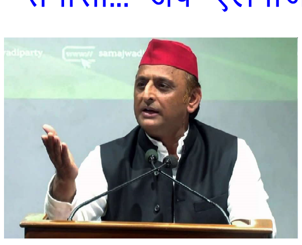

जनता ने भी ठान लिया है कि कतार में खड़े होकर ही वे उन्हें हराएंगे। और इसीलिए वे सार्वजनिक स्थानों पर स्नेह प्रदर्शन से डर रहे हैं। अखिलेश ने आगे कहा कि एक कचौरी, एक समोसा अब गैस पर भरोसा नहीं रहा और एलपीजी को श्लपाता गैसश करार दिया। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी की सामाजिक मुद्दों की समझ की आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग एआई का पूरा नाम ही नहीं जानते, वे पीडीए को कैसे समझेंगे?

कैग रिपोर्ट से केजरीवाल के शीश महल का सच आया सामने

बीजेपी बोली– दिल्ली की जनता का पैसा लुटाया, जारी किया वीडियो

नई दिल्ली। दिल्ली विध ाानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री के आधि ाकारिक आवास पर कथित खर्च को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं के बीच तीखी राजनीतिक बहस हुई। यह विवाद फ्लैगस्टाफ रोड स्थित 6 नंबर के आवास के जीर्णोद्धार की लागत से जुड़ा है, जहां पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रहते थे। भाजपा नेता और दिल्ली के मंत्री परवेश वर्मा ने विधानसभा में नाटकीय विरोध प्रदर्शन किया और रसीदों का एक लंबा बंडल पेश करते हुए सार्वजनिक खर्च को अत्यधिक बताया। सत्र के दौरान, वर्मा ने कथित खर्च की तुलना रहमान डकैत जैसी स्थिति से की और पूर्व प्रशासन पर सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया। भाजपा नेताओं ने फिजूलखर्ची के आरोपों को रेखांकित करने के लिए बार–बार आवास को शीश महल कहा है। ग पर साझा किए गए लगभग 15 मिनट के वीडियो में, सिंह को फ्लैगस्टाफ रोड स्थित 6 नंबर बंगले का

दौरा करते हुए देखा जा सकता है, जो 2015 से 2024 तक केजरीवाल का आधि ाकारिक निवास था और कथित भ्रष्टाचार के कारण भाजपा द्वारा इसे अपमानजनक रूप से शीश महलष कहा जाता है, और वह जकूजी और झूमर जैसी विभिन्न चीजों की कीमतों को साझा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में सिंह ने कहा कि ऑटोमैटिक स्लाइडिंग दरवाजे और पर्दे 90 लाख रुपये के हैं, कांच की छत, दो सुसज्जित रसोईघर, बेल्जियम के बर्तन, अमेरिका से आयातित फिटनेस उपकरण, भोजन ऊपर ले जाने के लिए लिफ्ट और छह लोगों के परिवार के लिए 14 सीटों वाली डाइनिंग टेबल है। उन्होंने दावा किया कि बंगले की लागत 80 करोड़ रुपये थी और इसके विस्तार की योजना बनाई गई थी, लेकिन 2025 के विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी की भाजपा से हार के कारण यह योजना साकार नहीं हो सकी।

जागरण के दौरान बाइक चोरी, जाँच में जुटी पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले एक बार फिर बुलंद नजर आए हैं। भिरंडा समय माता मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक जागरण के दौरान अज्ञात चोरों ने एक मोटरसाइकिल चोरी कर ली, जिससे क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छतहरा गांव निवासी प्रमोद कुमार गुप्ता बुधवार रात अपनी बाइक से जागरण में शामिल होने मंदिर पहुंचे थे। उन्होंने रात करीब 10 बजे मंदिर परिसर के पास अपनी मोटरसाइकिल खड़ी की और कार्यक्रम में चले गए। कुछ देर बाद लौटने पर उनकी बाइक मौके से गायब मिली। पीड़ित ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लग सका। चोरी हुई बाइक का नंबर न्च 55 ।ज्ञ 2462 बताया गया है, जो उनके बड़े भाई प्रदीप कुमार के नाम पर पंजीकृत है। घटना के बाद पीड़ित ने थाना शोहरतगढ़ में तहरीर देकर बाइक बरामद करने की गुहार लगाई है। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जल्द ही खुलासा किया जाएगा। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से आमजन में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस को गश्त और निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्रीराम जन्मोत्सव, भजनों से गूंजा विद्यालय प्रांगण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बृहस्पतिवार को राम नवमी एवं चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर लिटिल फ्लावर्स स्कूल, सुरेन्द्र नगर कटरा, बस्ती में श्रद्धा और भक्ति के साथ श्रीराम जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर भक्ति गीतों और जयकारों से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक सुरेन्द्र प्रताप सिंह एवं प्रधानाचार्या अपर्णा सिंह द्वारा माँ दुर्गा और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के वैदिक विधि–विधान से पूजन–अर्चन एवं आरती कर किया गया। इसके पश्चात शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने सामूहिक रूप से "प्यारा सजा है तेरा द्वार" भजन प्रस्तुत कर कार्यक्रम में भक्ति का अद्भुत वातावरण निर्मित किया, जिस पर पूरा प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान शिक्षिका पूनम त्रिपाठी ने महाअष्टमी और महानवमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि

ये तिथियाँ माँ महागौरी और सिद्धिदात्री को समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें अनुशासन, भक्ति और नारी शक्ति के सम्मान का संदेश देता है तथा कन्या पूजन समाज में स्त्री सम्मान का प्रतीक है। प्रबंधक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने राम जन्म के महत्व को बताते हुए कहा कि भगवान राम ने "विप्र, धेनु, सुर और संतों के कल्याण" के लिए अवतार लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक प्रयास आवश्यक हैं। प्रधानाचार्या अपर्णा सिंह ने अपने संबोधन में नारी शक्ति और आत्मविश्वास के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दोनों शक्तियों का संतुलन जीवन में सफलता दिलाता है। उन्होंने अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मबल का संदेश दिया– डरना नहीं किसी के भी पैरों के नाप से आखिर पुण्य जीत ही जाएगा पाप से।गीता में कृष्ण ने कहा अर्जुन से बस यही, पहली लड़ाई जीतनी है अपने–आप से।। कार्यक्रम का समापन श्रीराम भजन और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के मंगल संदेश के साथ किया गया।इस आयोजन को सफल बनाने में अर्पिता सिंह, मधु सिंह, पूजा जायसवाल, राजमणि वर्मा, तन्मय पाण्डेय, रुचि, साक्षी पाण्डेय एवं साक्षी गुप्ता का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर सृष्टि उपाध्याय, कात्यायनी पाण्डेय, अर्चना, डिम्पल, शशांक शुक्ला, आनंद आर्या, अरुण भट्ट, दीप देव द्विवेदी, शिवेन्द्र पाण्डेय, तपन कुमार घोष, अनूप बरनवाल सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक–शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रक्तदान कर बचाई महिला मरीज की जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के एक गांव की निवासी महिला मरीज

मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर में भर्ती थी, जहां उसे तत्काल एक यूनिट ओ पॉजिटिव ब्लड की आवश्यकता थी। परिजनों द्वारा काफी प्रयास के बावजूद रक्त की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी, जिससे परिवार चिंतित था।इसी बीच मरीज के परिजनों ने सिद्धार्थ वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों को सूचना दी। सूचना मिलते ही संस्था के कार्यकर्ताओं ने सक्रियता दिखाते हुए सोशल मीडिया और अपने नेटवर्क के माध्यम से रक्तदाता की तलाश शुरू कर दी। संस्था के सदस्य हेमंत कुमार गौतम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वयं आगे आकर मदद की। वह तत्काल ब्लड बैंक पहुंचे और मरीज को एक यूनिट रक्तदान कर उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। संस्था के संस्थापक वकार मोइज़ खान ने हेमंत कुमार गौतम के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने निस्वार्थ भाव से मदद कर मानवता और सामाजिक समरसता की उत्कृष्ट मिसाल पेश की है। उन्होंने बताया कि संस्था का उद्देश्य जरूरतमंदों की सहायता करना और समाज में आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना है।

भारत सरकार राज्य सरकारों को करेगी शर्तों के मुताबिक वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन

कुशीनगर।जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निर्देशानुसार जनपद के समस्त विक्रय अधिकारी (एलपीजी) को वाणिज्यिक एलपीजी के आवंटन के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। यह निर्देश विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश शासन के पत्र दिनांक 24 मार्च, 2026 तथा सचिव, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा दिये गए निर्देश के अनुपालन में जारी किया गया है।

प्राप्त निर्देशों के अनुसार राज्यों को एलपीजी संकट से पूर्व की स्थिति के सापेक्ष 50 प्रतिशत वाणिज्यिक एलपीजी का आवंटन निर्धारित शर्तों के अंतर्गत किया जाएगा। इसके अंतर्गत अतिरिक्त आवंटन प्राथमिकता के आधार पर रेस्टोरेंट, ढाबा, होटल, औद्योगिक कैंटीन, खाद्य प्रसंस्करण एवं डेयरी इकाइयों, राज्य सरकार अथवा स्थानीय निकायों द्वारा संचालित रियायती कैंटीनध्आउटलेट, सामुदायिक रसोई तथा प्रवासी श्रमिकों हेतु 5 किलोग्राम एफटीएल श्रेणी को प्रदान किया जाएगा। निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी वाणिज्यिक एवं औद्योगिक एलपीजी उपभोक्ताओं को वाणिज्यिक एलपीजी प्राप्त करने से पूर्व संबंधित ऑयल मार्केटिंग कंपनी (ओएमसी) के साथ पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

ओएमसी द्वारा उपभोक्ताओं के एलपीजी उपभोग का विवरण अपने डेटाबेस में सुरक्षित रखा जाएगा। साथ ही सभी वाणिज्यिक एवं औद्योगिक एलपीजी उपभोक्ताओं को अपने नगर में संचालित सिटी गैस वितरण इकाई के साथ पीएनजी कनेक्शन हेतु आवेदन करना भी आवश्यक होगा।

जिलाधिकारी ने समस्त विक्रय अधिकारियों (एलपीजी) को निर्देशित किया है कि वर्ष 2025 तथा माह जनवरी एवं फरवरी 2026 के दौरान उपरोक्त संस्थानों एवं उद्योगों को उपलब्ध कराए गए वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की संख्या का विवरण तत्काल उपलब्ध कराते हुए भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा अनुपालन आख्या अधोहस्ताक्षरी को प्रेषित करें। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समयावधि में सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं

एशियाड रोइंग के लिए रामगढ़ताल में होगी महिला टीम की ट्रेनिंग

गोरखपुर। रामगढ़ताल और इसके समीप मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से बना

विश्व स्तरीय वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। पहले खेलो इंडिया के अंतर्गत रोइंग के आल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम का सफल आयोजन और अब जापान एशियाड 2026 के लिए रोइंग महिला टीम की स्पेशल ट्रेनिंग रामगढ़ताल में होने जा रही है। वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनवाकर रामगढ़ताल को वाटर स्पोर्ट्स का नया केंद्र बनाने का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। भारतीय रोइंग के इतिहास में पहली बार उत्तर प्रदेश को रोइंग (नौकायन) के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर की मेजबानी मिली है। भारतीय महिला रोइंग टीम का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर 27 मार्च (शुक्रवार) से गोरखपुर के रामगढ़ताल स्थित वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शुरू होगा। इस शिविर में देशभर की चुनिंदा महिला रोअर्स हिस्सा ले रही हैं। इनमें वे खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाया है। जापान में होने वाले 20वें एशियाई खेल (आइची–नागोया 2026) की तैयारियों के लिए रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुरोध पर भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा संचालित यह प्रशिक्षण शिविर विशेष रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर के लिए उत्तर प्रदेश खेल विभाग भरपूर सहयोग कर रहा है। रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष सुधीर शर्मा (सचिव, यूपी रोइंग एसोसिएशन) ने बताया कि शिविर के लिए चयनित खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों का आगमन गोरखपुर में हो चुका है। शिविर की औपचारिक शुरुआत 27 मार्च को दोपहर तीन बजे की जाएगी। मुख्य अतिथि गोरखपुर विकास प्राधिकरण के सचिव पुष्पराज सिंह होंगे। इस अवसर पर रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव सुभाशीष मुखर्जी भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि यह पहला अवसर है जब रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफआई) ने उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय टीम के प्रशिक्षण शिविर की मेजबानी के लिए चुना है।

सीएम योगी के विजन से रामगढ़ताल को इसके शांत जलस्तर और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है, जो खिलाड़ियों की तकनीक निखारने में सहायक होगा। इस शिविर के माध्यम से उत्तर प्रदेश अब श्वॉटर स्पोर्ट्सश के हब के रूप में उभरेगा। सुधीर शर्मा ने बताया कि जापान में 20वें एशियाई खेल (नागोया 2026) का आयोजन 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आयोजित होंगे। इसके अंतर्गत रोइंग की स्पर्धाएं कोर्स सुमियामा, फुकुये, कैजु सिटी, गिफु प्रान्त में स्थित नागरागावा इंटरनेशनल रेगुटा कोर्स में 20 सितंबर से 25 सितंबर तक होंगी।

'राष्ट्रीय शिविर के लिए चयनित खिलाड़ी व ऑफिशियल' : किरण (हरियाणा), मृणमयी सालगांवकर (महाराष्ट्र), रुक्मणी, विंध्या शंकर (मध्य प्रदेश), बी. आनंदी, किरण देवी (आल इंडिया पुलिस कंट्रोल बोर्डध् मेघालय), अश्वनी कुमारन, सानिया कृष्णन, अन्ना हेलन, हिमा टी, एंजेल मैरी (केरल), मोनिका बदोरिया, अंशिका भारती (ओडिशा)। कोच : राजेश कुमार (सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड), ममता जेना (आल इंडिया पुलिस कंट्रोल बोर्ड)।

सिद्धार्थनगर में पेट्रोल–डीजल संकट से जनजीवन प्रभावित, पंपों पर लंबी कतारें

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले में पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत देखने को मिली, जिससे शहरी से लेकर ग्रामीण इलाकों तक आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। हालात ऐसे बने कि कई पेट्रोल पंपों पर दोपहर 12 बजे के बाद ही ईंधन पूरी तरह खत्म हो गया, जिसके कारण लोगों को घंटों लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ा। सुबह होते ही पेट्रोल पंपों पर वाहनों की भीड़ बढ़नी शुरू हो गई, जो दोपहर तक बेकाबू हो गई। बांसी स्टैंड स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर पूरे नगर के लोग पहुंच गए। यहां बाइक, कार और अन्य वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ। मधुकरपुर क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर दोपहर बाद ईंधन पूरी तरह खत्म हो गया। वहीं बांसी स्टैंड के तीन में से दो पेट्रोल पंप सूख गए, जबकि एक पंप पर सीमित मात्रा में ईंधन मिलने के कारण भारी भीड़ उमड़ी रही। पकड़ी क्षेत्र के दोनों पेट्रोल पंपों पर भी पेट्रोल और डीजल समाप्त होने की सूचना है। ईंधन संकट के चलते आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों ने प्रशासन से जल्द आपूर्ति बहाल करने और व्यवस्था सुधारने की मांग की है, ताकि इस तरह की स्थिति से राहत मिल सके।

रोजगार मेले में 38 अभ्यर्थियों का हुआ चयन'

मऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के नव वर्ष पूरे होने पर जिला सेवायोजन कार्यालय मऊ द्वारा नगर पालिका कम्युनिटी हॉल मऊ में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की पांच कंपनियों द्वारा प्रतिभा किया गया। रोजगार मेले में 175 बेरोजगार अभ्यर्थियों ने प्रतिभा किया। इनमें से 38 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। नगर मजिस्ट्रेट मुख्य अतिथि द्वारा बेरोजगार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। रोजगार मेले के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला सेवा योजना अधिकारी अरविंद कुमार पांडे एवं कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय वाली बनेगी सरकार : घनश्याम चन्द्र खरवार

पडरौना–कुशीनगर। बहुजन समाज पार्टी का जनपदीय

कार्यकर्ता समीक्षा बैठक कुशीनगर के हेरिटेज रिजॉर्ट में की गई।जहां कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने को मिला। विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर हुई तैयारी बैठक को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि घनश्याम चन्द्र खरवार पूर्व सांसद ने बताया कि विधानसभा 2027 के चुनाव का आगाज बहुजन समाज पार्टी ने शुरू कर दिया है। कई विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी भी घोषित किया जा चुका है। पूरे प्रदेश की जनता मन बना चुकी है। 2027 में सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की सरकार बन कर रहेगी। कार्यकर्ताओं का उत्साह और जनता का मूड बता रहा है कि 2027 में मुख्यमंत्री पद की शपथ बहन कुमारी मायावती पांचवीं बार लेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉक्टर बलिराम पूर्व सांसद एवं मुख्य मण्डल कोऑर्डिनेटर गोरखपुर मंडल ने कार्यकर्ताओं का उत्साह देखकर कहा कि इतने बड़े सुबे की बागडोर चार–चार बार सम्भालते हुए दिखाया है कि सबका हित,सबकी सुरक्षा, सबके लिए न्याय बहुजन समाज पार्टी ही दे सकती है।

समीक्षा बैठक में विशिष्ट अतिथि सुरेश चंद्र भारती, घनश्याम राही,कमलेश कुमार गौतम, घनश्याम दास,सुरेश कुमार गौतम, ऋषि कपूर,जनाब असगर अली, रमेश कुमार,रामनाथ चौहान,सुधीर त्यागी जिलाध्यक्ष विद्यासागर जिला उपाध्यक्ष उमाशंकर त्रिपाठी एवं मनोज कुमार गौतम,संजय सिंह पटेल,नैयर आजम वारसी,उदित नारायण गौतम,संदीप कुमार,कमलेश कुमार,शिवमंगल प्रसाद,जयप्रकाश उर्फ मुन्ना भारती,प्रवीण कुमार,दिनेश प्रसाद,उमेश प्रसाद,कमलेश कुमार, श्रीराम कुमार सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवरात्रि पर भक्ति में डूबा बांसी, विशाल जागरण व प्रसाद वितरण में उमड़ा जनसैलाब

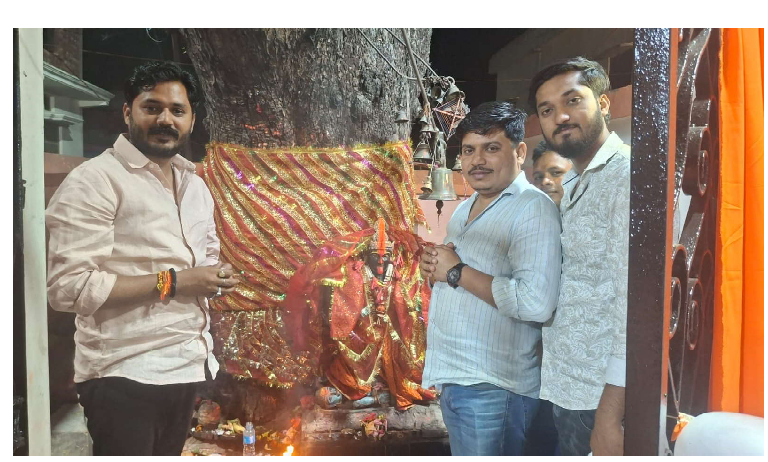

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। नवरात्रि के पावन पर्व पर नगर पालिका क्षेत्र के अंबेडकर नगर में मां भगवती के विशाल जागरण, झांकी, फलाहार एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन मां महाकाली सेवा समिति द्वारा कराया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चों ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में आदिशक्ति महामाया योग माया जागरण परिवार के कलाकारों ने पूरी रात माता के भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। भक्ति गीतों पर श्रद्धालु झूमते रहे और "जय माता दी" के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजा जय प्रताप सिंह भी कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने मां भगवती की विधिवत पूजा–अर्चना की और प्रसाद ग्रहण कर क्षेत्रवासियों के सुख–समृद्धि की कामना की। समिति के अध्यक्ष राधे ने बताया कि यह आयोजन पिछले दस वर्षों से निरंतर किया जा रहा है, जो क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है। वहीं संरक्षक भोलानाथ पाठक ने कहा कि माता रानी के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है। कार्यक्रम में नन्हे सिंह (बागेश्वर धाम) एवं पराग डेरी का विशेष योगदान रहा। इसके अलावा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव, पूर्व प्रत्याशी हरगोविंद साहू, भाजपा नगर अध्यक्ष कुबेर बारी, समाजसेवी अमय पांडे, गुड्डू गुप्ता, रामशरण मौर्य, धर्मेंद्र, प्रमोद कुमार, रामकुमार गुप्ता, अभिषेक त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक एकता और भक्ति भाव का भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता नजर आया।

हत्या के मामले में शेष आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर परिजनों ने सौंपा ज्ञापन, दी आंदोलन की चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के जोगिया उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नादेपार में युवक शिवम कसौधन की हत्या का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित परिजनों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। गुरुवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष अजय कसौधन के नेतृत्व में मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो वे भूख हड़ताल और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन के अनुसार, 10 मार्च 2026 को शिवम कसौधन की नृशंस हत्या कर दी गई थी। परिजनों का आरोप है कि मामले में पुलिस की कार्रवाई शुरू से ही धीमी और संदिग्ध रही है। उनका कहना है कि पुलिस अधीक्षक द्वारा 24 से 48 घंटे के भीतर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक केवल एक आरोपी प्रिंस वर्मा को ही गिरफ्तार किया जा सका है। परिजनों ने बताया कि मुख्य आरोपी पवन वर्मा, उनकी पत्नी, प्रिंस मिश्रा और प्रियांशु मिश्रा अब भी फरार हैं। मृतक के पिता इन्द्रेश कसौधन ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस के संरक्षण के चलते आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और परिवार को लगातार धमकियां दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपे जाने के बावजूद कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। पीड़ित परिवार ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मामले का संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को शेष आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए जाएं। साथ ही चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे जोगिया चौराहा या सनाई चौराहे पर अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन, भूख हड़ताल और चक्का जाम करेंगे। परिजनों ने स्पष्ट किया कि आंदोलन के दौरान यदि किसी प्रकार की कानून–व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती है, तो उसकी जिम्मेदारी प्रशासन और स्थानीय पुलिस की होगी। फिलहाल, घटना को लेकर क्षेत्र में तनाव का माहौल है और लोगों की नजर प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है।

डोहरिया खुर्द में मां काली की भव्य प्रतिमा की हुई स्थापना

दैनिक बुद्ध का संदेश

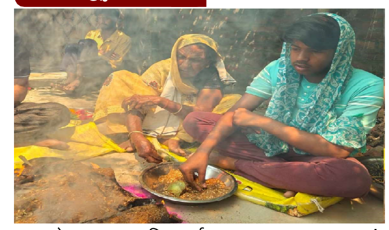

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत डोहरिया खुर्द स्थित सार्वजनिक मंदिर में ग्राम प्रधान फूलमती द्वारा गांव की सुख–समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना को लेकर मां काली की प्रतिमा की स्थापना कराई गई। इस अवसर पर पूरे गांव में धार्मिक उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत विधि–विधान के साथ पूजा–अर्चना से हुई, जिसमें विद्वान पंडित रामदास उपाध्याय एवं उनके सहयोगी प्रमोद उपाध्याय ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। पूजा के दौरान हवन, पूजन एवं आरती के साथ मां काली की प्रतिमा को विधिवत स्थापित किया गया। मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने मां के जयकारों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ग्राम प्रधान फूलमती ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य गांव में सकारात्मक ऊर्जा, शांति और समृद्धि का संचार करना है, जिससे सभी ग्रामवासियों का जीवन सुखमय हो सके। पूरे आयोजन के दौरान गांव में उत्सव जैसा माहौल बना रहा और लोगों ने श्रद्धा भाव से मां काली का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि महेंद्र प्रताप चौधरी, धर्मेंद्र चौधरी, दीनानाथ चौधरी, राजू विश्वकर्मा, संतोष शर्मा, लखन गुप्ता, सुरेंद्र पासवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद का भी वितरण किया गया।

भगवती जागरण में मां के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ की प्रसिद्ध देवी भिरंडा समय माता मंदिर पर नवरात्र के सातवें दिन (बुधवार) की संध्या पर विशाल भगवती जागरण का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरी रात श्रद्धालु मां के भजनों में डूबे रहे और वातावरण जयकारों से गुंजायमान रहा। जागरण से पूर्व मंदिर परिसर में मां का भव्य दरबार सजाया गया तथा ज्योति प्रज्ज्वलित कर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की गई। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। भजन गायिका अर्पणा मिश्रा ने ष्मैं परदेशी हूं भिरंडा माता के दरबार पहली बार आई हूंष भजन प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, जिस पर पांडाल तालियों की गड़गड़ाहट और मां के जयकारों से गूंज उठा।इसके बाद गायक श्रवण सुल्तानपुरी व शिव मिश्रा ने ष्दुनिया चले न श्रीराम के बिना, राम जी

चले न हनुमान के बिनाष सहित अनेक भक्ति गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं अयोध्या धाम से आए नृत्य–नाटिका कलाकारों ने मां आदिशक्ति, शिव–पार्वती, राधा–कृष्ण व हनुमान जी की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत कर देर रात तक दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम में शोहरतगढ़ चेयरमैन उमा अग्रवाल एवं चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल भी पहुंचे और जागरण टीम व आयोजकों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान रवि अग्रवाल ने मां दुर्गा की महिमा का उल्लेख करते हुए अपने वैष्णो देवी दर्शन का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि जब मां का बुलावा आता है, तो भक्त स्वयं उनके दरबार पहुंच जाता है। मां के आशीर्वाद से ही उन्हें चुनाव में विजय प्राप्त हुई, यह कहते हुए वे भावुक हो गए। इस अवसर पर सभासद अनूप कसौधन, सोनू अग्रवाल, घनश्याम गुप्ता, रवि कसौधन, प्रेमशंकर कसौधन, दुर्गेश कुमार कसौधन, अमन, शुभम, अनुराग, आदर्श, दिनेश रामू, विक्की, रोहन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शोहरतगढ़– निःशुल्क मेडिकल कैंप में 115 मरीजों का हुआ परीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बुधवार को स्थानीय राजस्थान अतिथि भवन में नगर पंचायत द्वारा एक निरूशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के लोगों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। कैंप में सुपर स्पेशलिस्ट हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ. के.के. जैन द्वारा कुल 115 मरीजों का निरूशुल्क परीक्षण किया गया और आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। इस दौरान उन्होंने कमर दर्द, रीढ़ की हड्डी से संबंधित समस्याओं एवं नसों के रोगों के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए समय पर परामर्श लेने की सलाह दी। चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने बताया कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी 02 अप्रैल को एक और बड़ा एवं भव्य मेडिकल कैंप लगाया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी उमेश प्रताप सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, मेडिकल टीम के सहयोगी मन्नू, सोनू खान, शनि खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नवरात्रि पर कन्या पूजन के साथ "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान को मिला बढ़ावा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नवरात्रि के पावन अवसर पर जिले में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से एक प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने विकास खंड नौगढ़ स्थित आंगनबाड़ी केंद्र, साड़ी प्रथम में "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान के अंतर्गत कन्या पूजन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने पारंपरिक विधि–विधान के साथ बालिकाओं का पूजन किया। उन्होंने कन्याओं के चरण धोकर, तिलक लगाकर एवं पुष्प अर्पित कर उनका सम्मान किया तथा प्रसाद वितरण किया। साथ ही सभी बालिकाओं को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि नवरात्रि का पर्व नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना और उनके शिक्षा व अधिकारों को सुनिश्चित करना है। उन्होंने अभिभावकों से बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया। उन्होंने बच्चों को दी जा रही पोषण सेवाओं, शिक्षण सामग्री एवं साफ–सफाई की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के समग्र विकास की नींव होते हैं, इसलिए यहां की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाना अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह और जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव भी उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने कन्याओं को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि जनपद में इस अभियान के तहत नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे बेटियों के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना मजबूत हो रही है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। कार्यक्रम का समापन कन्याओं को प्रसाद एवं उपहार वितरण के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता का संदेश जन–जन तक पहुंचाने में भी सफल रहा।

वनवास और अहिल्या उद्धार प्रसंग का किया मार्मिक वर्णन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के पथरा बाजार क्षेत्र के गौरी पाठक गांव में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के छठवें दिन श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे नजर आए। अयोध्या धाम से पधारे कथावाचक श्री रामकुमार दास जी महाराज ने भगवान श्रीराम के वनवास और अहिल्या उद्धार प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा श्रवण के लिए क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथावाचक ने कहा कि माता कैकेयी की प्रतिज्ञा को पूर्ण करने के लिए भगवान श्रीराम को चौदह वर्षों का वनवास स्वीकार करना पड़ा। श्रीराम ने पिता दशरथ की आज्ञा और मर्यादा का पालन करते हुए बिना किसी विरोध के वनवास जाना स्वीकार किया। उनके साथ छोटे भाई लक्ष्मण और पत्नी माता सीता भी वन को प्रस्थान कर गए। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम ने चित्रकूट में निवास किया और वहां अनेक अद्भुत व प्रेरणादायक घटनाएं घटित हुईं। महाराज ने बताया कि चित्रकूट में एक पवित्र स्थान है जिसे अहिल्या पत्थर के नाम से जाना जाता है। कथा के अनुसार गौतम ऋषि की पत्नी माता अहिल्या को देवराज इंद्र ने छलपूर्वक भ्रमित कर दिया था। जब इस घटना का पता गौतम ऋषि को चला तो उन्होंने क्रोधित होकर अहिल्या को पत्थर बनने का श्राप दे दिया। वर्षों तक वह पत्थर रूप में तपस्या करती रहीं और भगवान श्रीराम के आगमन की

भगवान श्रीराम की परीक्षा लेने पहुंची मां पार्वती का अष्टभुजी रूप

गौरी पाठक में चल रहे नौ दिवसीय श्रीराम कथा में श्रद्धालु माँ अष्टभुजी देवी की आरती व आराधना करते हुए

प्रतीक्षा करती रहीं। कथावाचक ने बताया कि जब भगवान श्रीराम चित्रकूट पहुंचे और उनके चरणों का स्पर्श उस पत्थर से हुआ तो माता अहिल्या को श्राप से मुक्ति मिली और उनका उद्धार हो गया। इस प्रसंग से यह संदेश मिलता है कि भगवान के चरणों का स्मरण और भक्ति मनुष्य को हर बंधन से मुक्त कर सकती है। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम की मर्यादा और दिव्यता की परीक्षा लेने के लिए माता पार्वती ने सीता का रूप धारण किया। भगवान श्रीराम ने तुरंत माता को पहचान लिया और उन्हें प्रणाम किया। इसके बाद माता पार्वती अपने वास्तविक स्वरूप में प्रकट हो गईं। कथा के अंत में श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आयोजन स्थल पर पूरे क्षेत्र से आए श्रद्धालु कथा श्रवण कर धर्म और मर्यादा के संदेश को आत्मसात करते नजर आए।

डीएम व एसपी ने जगदम्बा पेट्रोल पंप का किया निरीक्षण, व्यवस्था पाई संतोषजनक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले में प्रशासनिक सतर्कता के तहत जिलाधिकारी शिवशररणप्पा जी एन एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने बांसी स्टैंड स्थित जगदम्बा पेट्रोल पम्प का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पेट्रोल पंप की सुरक्षा व्यवस्था की गहन जांच की तथा उपलब्ध स्टॉक की स्थिति का जायजा लिया। समीक्षा में पाया गया कि पेट्रोल पंप पर पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है और वितरण व्यवस्था पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रही है। जिलाधिकारी ने पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिए कि वे आपूर्ति व्यवस्था को निरंतर बनाए रखें और किसी भी प्रकार की कमी या अव्यवस्था न होने दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति व सुरक्षा बनाए रखें।

रामराज्य स्थापना का दिव्य प्रसंग, जयघोष से गूंजा अवेद्यनाथ सभागार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शहर के अवेद्यनाथ सभागार में आयोजित श्रीराम कथा महोत्सव के सातवें दिन भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक प्रसंग के दौरान पूरा सभागार "जय श्रीराम" के उद्घोष से गूंज उठा। श्रद्धालु इस दिव्य क्षण के साक्षी बन भावविभोर नजर आए और वातावरण पूरी तरह राममय हो गया। अयोध्या धाम से पधारे कथावाचक संत गौरव कृष्ण शास्त्री ने अपनी ओजस्वी वाणी में रामराज्य की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि यह केवल एक ऐतिहासिक प्रसंग नहीं, बल्कि आदर्श शासन व्यवस्था का प्रतीक है, जहां धर्म, सत्य और न्याय सर्वोपरि होते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम का जीवन त्याग, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा का सर्वोत्तम उदाहरण है, जिसे अपनाकर समाज में शांति और समरसता स्थापित की जा सकती है। कथा के दौरान भजन–कीर्तन और तालियों की गूंज से पूरा सभागार भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु कथा का रसपान करते हुए भक्ति में लीन दिखाई दिए, वहीं कई श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते भी नजर आए। इस अवसर पर हवन–पूजन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य यजमान महेश्वर अग्रहरी सहित कई श्रद्धालुओं ने भाग लिया और धार्मिक अनुष्ठानों में आस्था प्रकट की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्थानीय श्रद्धालुओं और आयोजकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। श्रीराम कथा महोत्सव का सातवां दिन श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर रहा, जिसने उपस्थित लोगों के मन में गहरी छाप छोड़ी।

सम्पादकीय

गंगा सिर्फ बहती नदी नहीं है हमारे पुरखों की आस्था और विश्वास का प्रतीक है। गंगा मुक्तिकामी भी है। जीवनदायिनी भी है। ऐसे में केंद्र सरकार की नमामि गंगा परियोजना में राज्यों की भागीदारी और जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। साथ ही स्वच्छता परियोजना की निरंतर निगरानी की जानी भी जरूरी है ताकि प्रयासों का स्थायी लाभ गंगा को स्वच्छ बनाने में मिल सके...

सख्ती व जवाबदेही से ही होगा समाधान

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश–दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी–भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में अघुलनशील कचरा व अन्य अपशिष्ट डालने से रोकने के लिये जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। यदि जागरूकता व प्रेरित करने से बात नहीं बनती तो इसके लिये जुर्माने का प्रावधान भी होना चाहिए। साथ ही गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। एक बात तो तय है कि सरकार के साथ जब समाज की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती, गंगा का साफ होना असंभव जैसा हो जाएगा। गंगा सिर्फ बहती नदी नहीं है हमारे पुरखों की आस्था और विश्वास का प्रतीक है। गंगा मुक्तिकामी भी है। जीवनदायिनी भी है। ऐसे में केंद्र सरकार की नमामि गंगा परियोजना में राज्यों की भागीदारी और जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। साथ ही स्वच्छता परियोजना की निरंतर निगरानी की जानी भी जरूरी है ताकि प्रयासों का स्थायी लाभ गंगा को स्वच्छ बनाने में मिल सके। सही मायनों में आज गंगा के उद्धार के लिये हर भारतीय को भगीरथ जैसा दायित्व निभाना होगा। तभी सदियों से अविरल बह रही जीवनदायी गंगा की प्रतिष्ठा भी फिर से स्थापित हो सकेगी। फिर एनजीटी को यह न कहना पड़ेगा कि फलां जगह का गंगाजल आचमन करने लायक नहीं रह गया है।

रिजल्ट का मौसम, निकले घरवालों का दम

पढ़ाई जरूरी है लेकिन इतनी भी नहीं कि घर का हर सदस्य रिजल्ट आने तक मरीज बन जाए। कुछ साल पहले तक भी शिक्षा थोड़ी सरल थी और जिंदगी भी थोड़ी आसान। और अब जब बोर्ड व स्कूलों की परीक्षाएं खत्म हो चुकी हैं तो पूरे देश में एक नया मौसम शुरू हो गया है– रिजल्ट का मौसम। यह वह मौसम है, जिसमें न गर्मी होती है, न सर्दी। बस टेंशन होती है। वह भी समय था जब स्कूल में पेरेंट–टीचर मीटिंग जैसी कोई चीज नहीं हुआ करती थी। मास्टर साहब खुद ही साइकिल उठाकर बच्चे के घर पहुंच जाते थे। पहले तो बच्चे को दो डंडे लगवाते फिर उसके पिता से कहते–लड़का हवा में उड़ने लगा है, ध्यान रखना और उसके बाद बड़े इत्मीनान से चाय पीकर चले जाते थे। न कोई प्रजेंटेशन, न कोई प्रोजेक्टर, न कोई पावर–प्वाइंट। बस दो डंडे और एक कप चाय में पूरी शिक्षा व्यवस्था का सिलेबस पूरा हो जाता था।

अब मास्टर साहब घर नहीं आते बल्कि माता–पिता को स्कूल बुलाया जाता है। और स्कूल भी ऐसे बुलाते हैं जैसे किसी कंपनी में बोर्ड मीटिंग हो। बड़े–बड़े स्क्रीन, रंगीन ग्राफ और अंग्रेजी में लंबी–लंबी रिपोर्ट– श्योर चाइल्ड इज अ बिट डिस्टर्ब्ड इन कंसंट्रेशन बट ही हैज ग्रेट पोटेंशयिल। माता–पिता भी सिर हिलाते हुए यूं सुनते हैं जैसे अभी–अभी कोई आर्थिक बजट पेश हुआ हो। पहले बच्चों के रिपोर्ट कार्ड में बस दो ही कॉलम होते थे– पास या फेल। अब इतने होते कॉलम हैं कि बच्चा खुद ही पूछता हैकृपापा! मैं पढ़ाई कर रहा हूं या सरकारी फार्म भर रहा हूं? जब बोर्ड की परीक्षाएं खत्म हो चुकी हैं तो असली परीक्षा शुरू हो गई है– रिजल्ट की प्रतीक्षा। बच्चे ऐसे तनाव में हैं जैसे उन्होंने पढ़ाई नहीं, कोई अंतर्राष्ट्रीय संधि साइन कर दी हो, जिसका फैसला आने वाला हो। माता–पिता भी कम परेशान नहीं हैं। घर में माहौल ऐसा है जैसे किसी चुनाव का एग्जिट पोल आने वाला हो। पढ़ाई जरूरी है लेकिन इतनी भी नहीं कि घर का हर सदस्य रिजल्ट आने तक मरीज बन जाए। कुछ साल पहले तक भी शिक्षा थोड़ी सरल थी और जिंदगी भी थोड़ी आसान। आज स्कूल बड़े हो गए हैं, सिलेबस भारी हो गया है और प्रतिशत की दौड़ लंबी। पहले बच्चे मास्टर से डरते थे, अब मास्टर बच्चों से डरते हैं कि कहीं डांट दिया तो पेरेंट्स–टीचर की मीटिंग हो जाएगी। इधर कोचिंग सेंटरों ने भी शिक्षा को ऐसा उद्योग बना दिया है कि लगता है जैसे देश में पढ़ाई नहीं प्रतिशत का कारखाना चल रहा हो। मानो कोचिंग सेंटर नहीं, सीधे नंबरों की एटीएम मशीन हो।

पाक की मध्यस्थता महज अवसरवाद

चीन इस परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा उसके निवेश ढांचे का अहम हिस्सा है। पश्चिमी सीमा पर अस्थिरता इन योजनाओं के लिए खतरा है। चीन को चिंता है कि अफगानिस्तान के उग्रवादी नेटवर्क शिनजियांग को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए वह इस्लामाबाद और काबुल के बीच संवाद को बढ़ावा देता है और आर्थिक सहयोग को स्थिरता का माध्यम मानता है...

पाक ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में कूटनीतिक प्रासंगिकता दिखाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इसकी विश्वसनीयता अभी भी संदिग्ध है और इसे अधिकतर सामरिक अवसरवाद के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तान आज एक रणनीतिक विरोधाभास में फंसा हुआ हैकृएक ओर वह अपनी पश्चिमी सीमा पर तालिबान के साथ बढ़ते संघर्ष में उलझा है, वहीं दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में खुद को प्रस्तुत कर कूटनीतिक प्रासंगिकता दिखाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इसकी विश्वसनीयता अभी भी संदिग्ध है और इसे अधिकतर सामरिक अवसरवाद के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान अपने हालिया इतिहास के एक अत्यंत जटिल रणनीतिक दौर से गुजर रहा है। उसके पश्चिमी पड़ोस में तेजी से बदलते घटनाक्रमकृईरान में अस्थिरता और अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ बिगड़ते रिश्तेकृने एक ऐसा भू–राजनीतिक दबाव पैदा कर दिया है, जिसे इस्लामाबाद न तो नजरअंदाज कर सकता है और न ही आसानी से संभाल सकता है। दशकों तक 'रणनीतिक गहराई' का जो ढांचा पाकिस्तान ने तैयार किया था, वह अब टूटता हुआ दिख रहा है। उसकी जगह अब अनिश्चितता, आतंकी प्रतिक्रिया और सीमावर्ती जोखिमों ने ले ली है। पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा कभी शांत नहीं रही। ईरान से जुड़ी अस्थिरता इस्लामाबाद के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। ईरान केवल पड़ोसी ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक

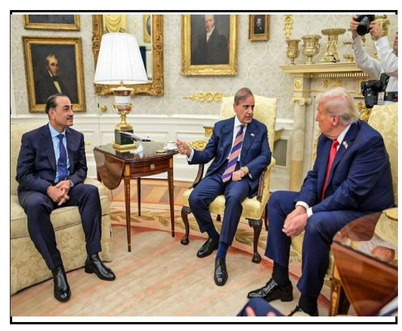

साझेदार भी है। दोनों देशों की सीमा बलूचिस्तान के कठिन इलाकों से गुजरती है, जहां अलगाववादी समूह और तस्करी नेटवर्क सक्रिय रहे हैं। ईरान में किसी भी बड़े संकट से सीमा पार आतंकी गतिविधियां बढ़ सकती हैं और पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान में हालात बिगड़ सकते हैं। पाकिस्तान की पुरानी ऊर्जा कमी ने ईरानी गैस को एक विकल्प बनाया है। हालांकि, प्रतिबंधों के कारण रुकी हुई ईरानदृपाकिस्तान गैस पाइपलाइन अब भी एक संभावित समाधान मानी जाती है। लेकिन ईरान में अस्थिरता इस संभावना को और कमजोर कर सकती है और पाकिस्तान की आर्थिक चुनौतियों को और जटिल बना सकती है। इस समय पाकिस्तान में बड़ी शिया आबादी है और अतीत में सांप्रदायिक तनाव हिंसा में बदलता रहा है। ईरान से जुड़ा कोई भी लंबा संकट इन आंतरिक विभाजनों को भड़का सकता है और सामाजिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है। दशकों तक पाकिस्तान ने तालिबान के साथ संबंध इस उम्मीद में बनाए रखे कि काबुल में एक अनुकूल सरकार उसे रणनीतिक लाभ देगी। लेकिन 2021 में तालिबान की वापसी ने अपेक्षित परिणाम नहीं दिए। इसके विपरीत, संबंध लगातार बिगड़ते गए हैं। मुख्य विवाद तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की मौजूदगी है, जो पाकिस्तान में कई हमलों के लिए जिम्मेदार है। इस्लामाबाद का आरोप है कि अफगान तालिबान उसे संरक्षण देता है। सीमा पार हमले और तीखी बयानबाजी ने स्थिति को खतरनाक बना दिया है। जो संबंध कभी वैचारिक निकटता का प्रतीक था, वह अब अविश्वास और सीमित सैन्य टकराव में बदल चुका है। डूरंड रेखा का विवाद भी इस तनाव को और गहरा करता है। तालिबान इसे मान्यता देने से इंकार करता है, जबकि पाकिस्तान इसे अपनी संप्रभुता का मुद्दा मानता है। इन दबावों के बीच कुछ सीमित अवसर भी दिखाई देते हैं। यदि ईरान बाहरी संकटों में उलझता है तो बलूच सीमा पर उसका ध्यान कम हो सकता है। अफगानिस्तान की आर्थिक कमजोरी तालिबान को पाकिस्तान के साथ व्यावहारिक समझौते की ओर धकेल सकती है। पाकिस्तान क्षेत्रीय मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, जिससे उसकी प्रासंगिकता कुछ हद तक बढ़े। लेकिन यह रणनीति जोखिमों से भरी है और इसके परिणाम पूरी तरह अनिश्चित हैं। भारत के लिए यह स्थिति मिश्रित संकेत देती है। पाकिस्तान की पश्चिमी समस्याएं उसके संसाधनों पर दबाव डालती हैं, जिससे पूर्वी सीमा पर ध्यान कम हो सकता है। लेकिन यह अपने आप भारत के लिए लाभकारी नहीं है। इसलिए भारत इन घटनाक्रमों को सावधानी और संतुलन के साथ देख रहा है। चीन इस परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा उसके निवेश ढांचे का अहम हिस्सा है। पश्चिमी सीमा पर अस्थिरता इन योजनाओं के लिए खतरा है। चीन को चिंता है कि अफगानिस्तान के उग्रवादी नेटवर्क शिनजियांग को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए वह इस्लामाबाद और काबुल के बीच संवाद को बढ़ावा देता है और आर्थिक सहयोग को स्थिरता का माध्यम मानता है। दरअसल, पाकिस्तान की चुनौती उसकी पुरानी रणनीति में है। दशकों तक उसने गैर–राज्य तत्वों का उपयोग किया, जो अब उसके लिए ही चुनौती बन गए हैं। यह स्पष्ट रूप से रणनीतिक 'ब्लोबैक' की स्थिति है। विकल्प केवल रणनीतिक पुनर्संतुलन हैकृक्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक एकीकरण और उग्रवाद से दूरी। लेकिन यह परिवर्तन कितना संभव है, यह अभी अनिश्चित है।

लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

खंडित वैश्विक परिदृश्य में भारत की विशेष भूमिका

संघर्ष समाप्ति का अनुशासन रू संघर्ष समाप्ति रणनीतिक समझ की सबसे स्पष्ट कसौटी है। कार्रवाई करते हुए यह जानना जरूरी है कि रुकना कब है। 1971 का संघर्ष इस अनुशासन हेतु वैश्विक मानदंड हैरू एक निर्णायक सैन्य परिणाम पाने के बाद,अपने क्षेत्रीय विस्तार बिना, एक नए राष्ट्र के लिए संप्रभु स्थिरता की तुरंत स्थापना करना। 1947 से आज तक भारत द्वारा बल प्रयोग...

मौजूदा खंडित वैश्विक व्यवस्था में भारत को अपनी जगह खोजने की जरूरत नहीं है, उसका खुद ही एक खास स्थान है। दरअसल, किसी एक पक्ष में होने की प्रवृत्ति से अधिक लाभकारी है,बतौर पुल कार्य करने की क्षमता। विशाल आकार इस देश को महाद्वीपीय आधार मजबूत करने के साथ–साथ समुद्र में स्थिरता बनाए रखने में सक्षम बनाता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्थाएं शायद ही कभी एक ही पल में ढहती हैंय वे धीरे–धीरे कमजोर होती हैं। वर्ष 1945 के बाद जो ढांचा बनाया गया था, उसकी रूपरेखा में विनाशकारी अस्थिरता को रोकने के लिए शक्ति का निर्वाह नियमबद्ध ढंग से और प्रगति को अनुमानित प्रारूप से उकेरा गया था। दशकों तक, यह रूपरेखा कायम रही। तथापि, अपने शैशवकाल में भी, इस व्यवस्था में प्रतिस्पर्धी महत्वाकांक्षाओं की छाप साथ चलती रही। जिन देशों को इस व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, वे अक्सर समानांतर रणनीतिक एजेंडे अपनाते थे, जिन नियमों को खुद लिखा था उनकी परीक्षा लेते रहे। तत्पश्चात नियमों का चयनात्मक पालन सामान्य बन गया। शीत युद्ध ने प्रतिद्वंद्विता के माध्यम से अनुशासन थोपे रखाय दुनिया बंटी हुई थी, लेकिन गुटों की अनुमानित स्थिति के कारण स्थिरता बनी रही। सोवियत संघ के पतन के बाद कुछ समय के लिए एक 'एक–ध्रुवीय' दौर आया, जिसमें वैश्वीकरण की गति तेज हुई और आपूर्ति शृंखलाएं महाद्वीपों तक फैलीं। रणनीतिक तनाव के कारण रू इस विस्तार के भीतर ही तनाव के बीज छिपे थे। परस्पर निर्भरता बढ़ी, लेकिन साथ ही विषमता भी।

दक्षता की ललक, सहनशीलता से कहीं ज्यादा तेज रफ्तार से बढ़ी। जिन नेटवर्कों ने समृद्धि लाने में मदद की, उन्होंने ही जोखिम भी पैदा कर दिया, जिसमें अपना फायदा जबरन या महत्त्वपूर्ण वस्तुओं को रोककर उठाया जा सकता था। आर्थिक एकीकरण, जिसे कभी एक स्व–स्थिरकारी माना जाता था, अब तेजी से प्रतिस्पर्धा के रूप में सामने आने लगा। आज ढांचा खड़ा तो है, लेकिन इसका अधिकार क्षेत्र सीमित हो गया। नियम का जिक्र तो किया जाता है, लेकिन लागू चुनिंदा ढंग से ही होते हैं। हम जो देख रहे हैं, वह कोई अचानक आया पतन नहीं बल्कि जो अनुशासन कभी व्यवस्था के दौरान कायम रहा, उसके प्रति सहमति को धीरे–धीरे कम किया जा रहा है। जैसे–जैसे पुरानी सहमति के स्तंभ कमजोर हो रहे हैं, दुनिया नए 'गुरुत्व केंद्र' की तलाश में है।

वह गुरुत्व केंद्र कौन प्रदान कर सकता है, यह मामूली सवाल नहीं। बदलती व्यवस्था का बहाव थामने में हरेक शक्ति एक समान समर्थ नहीं। इसके लिए भूगोल, इतिहास, सभ्यतागत स्मृति और संयम रखने के पिछले रिकार्ड को एक साथ मिलाने जरूरत है। इसे एक ऐसी रणनीतिक संस्कृति की भी जरूरत है, जिसकी नीयत किसी और पर अपना वर्चस्व स्थापित करना न होय संवैधानिक त्वरित सोच की जरूरत है, जो एकरूपता थोपने के बजाय विविधता साथ लेकर चले। इसे एक ऐसे बहुलवादी लोकाचार पर आधारित होना चाहिए, जो मुक्त दुनिया के साथ जुड़ाव तो रखे, लेकिन खुद उसमें न डूबे। इन गुणों बगैर भटकाव स्वतरू ठीक नहीं होताय बल्कि और गहरा होता जाता है और अक्सर उनको फायदा देने लगता है, जिन्होंने नियम तो गढ़े, लेकिन उन पर अमल न करने के बहाने ढूंढ़ते हैं। सभ्यता, पैमाना और दायित्वः भारत की सभ्यतागत स्मृति, उसकी भौगोलिक केंद्रीयता के साथ मिलकर, एक विशिष्ट रणनीतिक स्थिति का निर्माण करती है। यह अपने आप में एक महाद्वीप है, उत्तर में हिमालय का प्रश्रय है–ऐसा क्षेत्र जिसने लंबे समय ढाल और मार्ग की भूमिका निभाई। हिमालयी पर्वत शृंखला ने न केवल रक्षा की, बल्कि सदियों व्यापार का मार्ग बना रहा और आक्रमणों को भी सीमित कियाय इस प्रक्रिया ने ऐसी सभ्यता को आकार दिया जो अपनी मूल पहचान खोए बिना बाहरी प्रभाव आत्मसात कर लेती है। इसका प्रायद्वीपीय विस्तार साझे समुद्री क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जो वैश्विक व्यापार की मुख्य धमनियों में इसकी अहम उपस्थिति यकीनी बनाता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से लेकर मलक्का जलडमरूमध्य और बाब अल–मंडेब तक, वाणिज्य के प्रमुख समुद्री गलियारे भारत से सटकर निकलते हैं। ये सभी विशिष्टताएं भारत को अव्यवस्था का सामना करने की क्षमता के साथ स्थिर और संतुलित करने का सामर्थ्य प्रदान करती हैं।

संतुलन बतौर सक्रिय रणनीति रू विखंडित होती दुनिया में, संतुलन अब अपरोक्ष परिणाम नहीं रहा, एक सक्रिय रणनीति है। भारत का दृष्टिकोण, अपनी हस्ती कायम रखते हुए, वृहद जुड़ाव बनाना है, और अलग–थलग पड़े बिना स्वायत्तता बनाए रखनी है। ऐसे रुख को अक्सर रणनीतिक स्वायत्तता कहते हैं, लेकिन इसका सार वाजिब संतुलन में है, प्रतिस्पर्धी ध्रुवों के बीच भी, संबंध बरकरार रखना और हितों को कमजोर किए बिना संवाद जारी रखने की क्षमता। यह मानकर कि अब गठबंधन अमूमन पूर्ण नहीं होता, परिस्थितिजन्य होता है। ऐसा संतुलन न तटस्थता है और न अनिर्णय। विखंडन के युग में, भावावेश में किसी एक पक्ष में होने की प्रवृत्ति से कहीं अधिक मूल्यवान है, एक सेतु के रूप में कार्य करने की क्षमता। बल का विश्वसनीय समायोजनीय संतुलन रू संतुलन केवल संयम पर टिका नहीं रह सकताय जब यह खतरे में हो तब संयम तज कार्रवाई करने की विश्वसनीय क्षमता होनी चाहिए। दबाव डालने पर, भारत ने दृढ़ता व सही अनुपात में प्रतिक्रिया देने की इच्छाशक्ति दिखाई। बल प्रयोग संतुलन त्यागना नहींय जब अन्य ढंग फेल हो जायें तब संतुलन बहाली का साधन है। मौजूदा परिदृश्य में, विश्वसनीयता गतिजता से अधिक व्यापक है। एल्गोरिदम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब युद्धक्षेत्र जागरूकता और निर्णय–क्षमता को आकार दे रहे हैं। विदेश से नियंत्रित तकनीकी पारिस्थितिकी पर निर्भरता नया जोखिम है, एक संभावना कि महत्वपूर्ण क्षणों में वह क्षमता ही गायब कर दी जाए।

पाकिस्तान की इस दलील पर झुका इजरायल, अपनी हिट लिस्ट से हटाए ईरान के 2 बड़े नेता!

खबरों के मुताबिक, इजरायल ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबफ को अपनी शहिट लिस्टश से फिलहाल हटा दिया है। बताया जा रहा है कि ऐसा पाकिस्तान की गुजारिश पर किया गया है। पाकिस्तान ने अमेरिका के जरिए इजरायल से कहा था कि इन दोनों नेताओं को निशाना न बनाया जाए। हालांकि, इसकी बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी है।

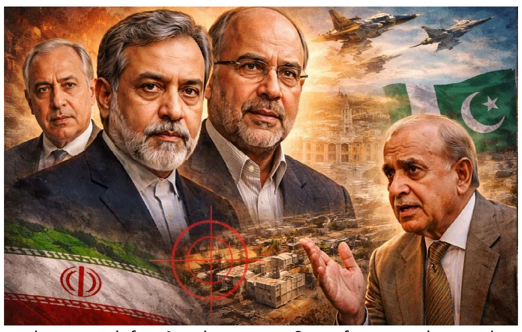

रॉयटर्स ने पाकिस्तानी सूत्र के हवाले से बताया, इजरायल के पास इन नेताओं की सटीक लोकेशन थी, लेकिन पाकिस्तान ने अमेरिका को समझाया कि अगर ये नेता भी मारे गए, तो भविष्य में शांति के लिए बातचीत करने वाला कोई नहीं बचेगा। इसके बाद अमेरिका के कहने पर इजरायल पीछे हट गया।

डोनाल्ड ट्रंप का शांति वार्ता पर बड़ा बयानः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान भले ही सार्वजनिक तौर पर इनकार करे, लेकिन वह शांति चाहता है। ट्रंप के मुताबिक, ईरान समझौता करने के लिए बेताब है, लेकिन वह यह बात दुनिया के सामने कहने से डर रहा है।

ट्रंप ने कहा, शईरानी नेताओं को लगता है कि अगर उन्होंने समझौते की बात मानी, तो उनके अपने ही लोग या फिर अमेरिका उन्हें मार डालेगा।श वहीं, व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान ने मौजूदा हकीकत को नहीं माना, तो ट्रंप प्रशासन उन पर अब तक का सबसे बड़ा हमला करने से पीछे नहीं हटेगा।

पाकिस्तान के जरिए भेजा गया शांति प्रस्ताव

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पुष्टि की है कि उन्हें पाकिस्तान के जरिए अमेरिका का एक प्रस्ताव मिला है, जो मध्य–पूर्व में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए है। इस 15–सूत्रीय प्रस्ताव में ईरान के परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल प्रोग्राम पर कई शर्तें रखी गई हैं।

हालांकि, अराघची ने यह भी कहा कि फिलहाल ईरान का युद्ध खत्म करने के लिए सीधे बातचीत करने का कोई इरादा नहीं है। उनका मानना है कि बिचौलियों के जरिए मैसेज भेजना अमेरिका से बातचीत करना नहीं कहलाता।

ईरान की अपनी शर्तें

ईरान ने सरकारी टीवी पर साफ किया कि वह अपनी सुरक्षा और शर्तों पर कोई समझौता नहीं करेगा। तेहरान की ओर से यह संकेत मिले हैं कि वह इस अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, लेकिन उसे यह शर्तें काफी कड़ी लग रही हैं। ईरान का कहना है कि वे अपने शीर्ष अधिकारियों के साथ चर्चा के बाद जल्द ही अपना रुख साफ करेंगे। फिलहाल, ईरान श्प्रतिरोध् ा की नीतिश को ही आगे बढ़ाने की बात कह रहा है।

अरे तुम क्या हो, बकवास कर रहे हो..योगराज सिंह अश्विन पर बिफरे, अर्जुन तेंदुलकर का किया समर्थन

हाल ही में आर अश्विन ने आईपीएल 2026 के लिए अपनी पसंदीदा लखनऊ की प्लेइंग 11 का चयन किया था। इस टीम में उन्होंने अर्जुन तेंदुलकर को जगह नहीं दी थी। यही नहीं उन्होंने कहा था कि, अर्जुन को शायद ही खेलने का मौका मिले क्योंकि लखनऊ की टीम में कई बेहतरीन गेंदबाज मौजूद हैं।

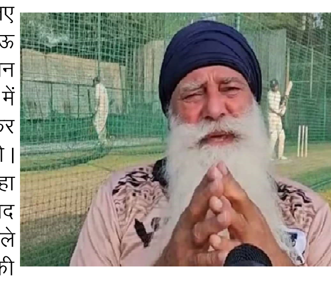

वहीं अब पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने इनसाइड स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा कि, अश्विन ने अर्जुन तेंदुलकर को लखनऊ की प्लेइंग 11 में शामिल नहीं किया साथ ही उन्हें खेलने का मौका नहीं मिलेगा ऐसी बात भी कही। इस बात पर योगराज सिंह ने काफी बुरी तरह से रिएक्ट किया। उन्होंने आर अश्विन के बारे में कहा कि वो बकवास कर रहा है। ये अश्विन जो कोई भी है उसे पता होना चाहिए कि किसी के बारे में क्या बात करनी चाहिए। कोई टीवी पर बैठकर कह रहा है कि वो नहीं कर सकता, वो नहीं कर सकता, अरे तुम क्या हो भाई। योगराज सिंह ने आगे कहा कि जब क्रिकेटर इस तरह की बातें करते हैं... वो सचिन तेंदुलकर का बेटा है ये अलग बात है। जब वो यहां था तब मैंने युवी से कहा था कि सब अर्जुन तेंदुलकर के बारे में गलत चीज पर ध्यान दे रहे हैं। वो गेंदबाज नहीं है उसे रीढ़ की हड्डी की समस्या थी और उसका हाथ 45 डिग्री से नीचे आता है। जब वह गोवा की टीम के साथ था तो मैंने उसके कोच से भी ये बात कही थी। जब वो बल्लेबाजी कर रहा था तब छक्के और चौके लगा रहा था। मैंने उसके कोच से कहा था कि आप लोग क्या बकवास कर रहे हैं, अगर आप ये नहीं कर सकते तो उसे मेरे पास भेज दो। योगराज यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे कहा कि, अगर आप लोगों से नहीं हो रहा है तो अर्जुन को मेरे पास भेज दो। अगर वो मेरे पास 6 महीने रह लेगा तो वो दुनिया के सभी बल्लेबाजों को सरपास कर देगा। अगर वो ऐसा नहीं कर पाता है तो मैं अपनी दाढ़ी कटवा लूंगा। मेरे काम करने का यही तरीका है। आप मुझे अर्जुन तेंदुलकर दे दो, मैं आपको एक बेहतरीन खिलाड़ी दूंगा।

आईपीएल 2026 की ओपनिंग सेरेमनी का नहीं होगा आयोजन,बीसीसीआई ने इस कारण लिया बड़ा फैसला

आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। इस

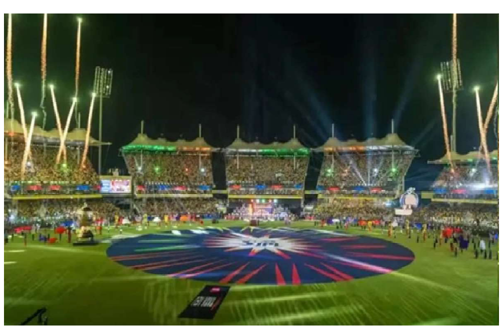

टूर्नामेंट का पहला मैच गत चौंपियन टीम आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। हर बार आईपीएल सीजन की शुरुआत से पहले ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन होता है लेकिन इस बार ऐसा कुछ नहीं होगा। आईपीएल के 19वें सीजन के लिए बीसीसीआई ने ये फैसला लिया है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सीजन आरसीबी के पहली बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद बेंगलुरु में 4 जून 2025 को हुई भगदड़ में 11 जाने चली गई थी। जिसे लेकर अब बीसीसीआई ने उस घटना में 11 पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए आईपीएल 2026 की ओपनिंग सेरेमनी को रद्द करने का फैसला किया है।

हालांकि, बीसीसीआई के पास प्लान बी भी तैयार है। ओपनिंग सेरेमनी की जगह इस बार भव्य क्लोजिंग सेरेमनी होगी। 28 मार्च को ओपनिंग सेरेमनी नहीं, लेकिन बीसीसीआई 31 मई को एक भव्य समापन समारोह आयोजित करने की योजना बना रही है।

इस दौरान बीसीसीआई ने कहा कि, पिछले साल 4 जून को हुई दुखद घटना के कारण, आईपीएल 2026 के ओपनिंग डे पर कोई औपचारिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा। बीसीसीआई 4 जू 2025 को हुई उस त्रासदी में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत में कोई सांस्कृतिक या मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित नहीं कर रहा है। हालांकि, बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल क्लोजिंग सेरेमनी यानी फाइनल के दिन एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

यूएस दूतों को ईरान ने किया रिजेक्ट, अब जेडी वैंस संभालेंगे पाकिस्तान में बातचीत की कमान ?

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस इस सप्ताह के अंत तक पाकिस्तान का दौरा कर सकते हैं ताकि ईरान के खिलाफ छेड़े गए युद्ध से बाहर निकलने के विकल्पों पर चर्चा की जा सके। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब ईरानी प्रतिनिधियों ने कथित तौर पर ट्रंप प्रशासन को बताया कि वे दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ बातचीत फिर से शुरू नहीं करना चाहते, जिसके बाद इस्लामाबाद ने वैंस का नाम आगे बढ़ाया।

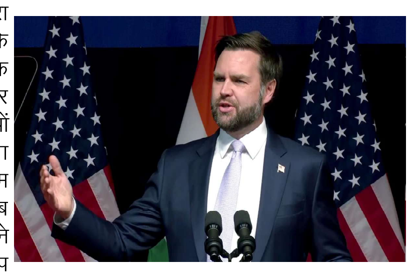

इस बीच, व्हाइट हाउस ने इस बदलाव को ज्यादा महत्व नहीं दिया, जिससे ट्रंप के उपराष्ट्रपति तेहरान के साथ बातचीत में अधिक सक्रिय भागीदार बन रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने बुधवार को कहा कि मुझे नहीं लगता कि कुछ बदला है। उपराष्ट्रपति हमेशा से एक प्रमुख सदस्य रहे हैं – राष्ट्रपति के दाहिने हाथ और राष्ट्रपति की राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के एक प्रमुख सदस्य। वे प्रशासन के पूरे कार्यकाल के दौरान इन चर्चाओं का हिस्सा रहे हैं।

दूसरी ओर ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजराइल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गयी। ईरान ने यह जवाबी हमले ऐसे समय में किये हैं, जब इजराइल ने तेहरान पर हवाई हमले किए और वाशिंगटन ने क्षेत्र में पैराट्रूपर्स व अधिक संख्या में मरीन सैनिकों की तैनाती की। ईरान के सरकारी समाचार प्रसारक 'प्रेस टीवी' ने एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। प्रेस टीवी की यह खबर पाकिस्तान द्वारा ईरान को प्रस्ताव भेजे जाने के बाद आई है। प्रेस टीवी ने अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान युद्ध तभी समाप्त करेगा जब वह ऐसा चाहेगा और जब उसकी शर्तें पूरी होंगी। अधिकारी ने बताया कि तेहरान पश्चिम एशिया में अपने जोरदार हमले जारी रखेगा। ईरान को प्रस्ताव सौंपने वाले पाकिस्तान के दो अधिकारियों ने 15 बातों का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें प्रतिबंधों में राहत, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना, मिसाइलों की सीमा तय करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है। होर्मुज एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है, जिसके माध्यम से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल का निर्यात होता है।

एसआरएच कप्तान पैट कमिंस ने अपनी वापसी पर दिया बड़ा अपडेट, जानें क्या कहा ?

आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले कई टीमें अपनी इंजर्ड खिलाड़ियों से जूझ रही है। इस लिस्ट में सनराइजर्स हैदराबाद का भी नाम शामिल है जो पहले से ही कप्तान पैट कमिंस की इंजरी और रिकवरी को लेकर असमंजस में है। जिसके चलते इशान किशन को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। हालांकि, खुद अब पैट कमिंस ने अपनी वापसी को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। पैट कमिंस ने बताया कि उनकी फिटनेस में तेजी से सुधार हो रहा है। वह नेट्स में गेंदबाजी करने लग गए हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह दूसरे चरण तक सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में एंट्री ले लेंगे और फाइनल खेलेंगे। दरअसल, बिजनेस ऑफ स्पोर्ट पॉडकास्ट पर बात करते हुए दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने पुष्टि की है कि उन्होंने नेट्स में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। हालांकि, कमिंस ने आईपीएल 2026 के पहले फेज को मिस करना लगभग तय है, लेकिन उन्हें पूरी उम्मीद है कि वो दूसरे फेज के शुरू होने से पहले टीम के साथ जुड़ जाएंगे। पैट कमिंस ने पॉडकास्ट में बताया कि वो हर तीसरे दिन नेट्स में गेंदबाजी कर रहे हैं। हमने एक प्लान तैयार किया है ताकि मैं टूर्नामेंट के बीच तक पूरी तरह से फिट हो सकूं। पूरी उम्मीद है कि मैं आईपीएल 2026 का दूसरा फेज और टूर्नामेंट का फाइनल खेलूंगा।

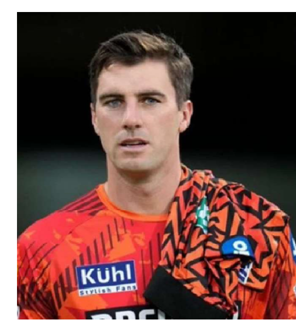

जंग के बीच Peace Talks की खबरों पर अमेरिका का खंडन, बोला– पाकिस्तान में कोई बात नहीं हो रही

इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग अब 27वें दिन में पहुंच गई है। इजरायल ने ईरान के इस्फहान शहर के पास मौजूद सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले किए हैं। गुरुवार, 26 मार्च 2026 की सुबह इस्फहान के एयर बेस और सैन्य इलाकों में जोरदार ध् ामाकों की आवाजें सुनी गईं।

अमेरिका ने दावा किया है कि इस युद्ध की शुरुआत से अब तक उसने ईरान के 10 हजार ठिकानों पर बमबारी की है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, ईरान के 92 प्रतिशत जहाज भी तबाह कर दिए गए हैं। इस्फहान के सैन्य ठिकानों पर निशानाः इजरायली सेना ने इस हमले को काफी बड़ा और असरदार बताया है। इसमें उन जगहों को निशाना बनाया गया है जहां हथियार और रक्षा उपकरण बनाए जाते हैं। इस्फहान के औद्योगिक इलाकों में हुए इन धमाकों की गूंज बहुत दूर तक सुनाई दी।

ईरान की समाचार एजेंसी शफार्सश के मुताबिक, रिहायशी इलाकों के पास भी हमले हुए हैं, लेकिन नुकसान की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। आपको बता दें कि इस्फहान में ईरान का एक प्रमुख न्यूक्लियर साइट भी है, जिसे पिछले साल जून में निशाना बनाया गया था।

खाड़ी देशों तक पहुंची युद्ध की आगः पिछले 24 घंटों में ईरान ने भी अपने हमले तेज कर दिए हैं। अब यह जंग सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रही, बल्कि कुवैत, बहरीन और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों तक फैल गई है। कुवैत के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मौजूद तेल के टैंकों पर दो ड्रोन हमले हुए, जिससे वहां भीषण आग लग गई।

सऊदी अरब ने अपने पूर्वी इलाकों में ईरान की ओर से भेजी गई एक दर्जन से ज्यादा मिसाइलों और ड्रोनों को हवा में ही मार गिराया। वहीं, बहरीन और यूएई में भी खतरे के सायरन बज रहे हैं। इन हमलों से पूरे इलाके में तनाव काफी बढ़ गया है और हवाई यात्राओं पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

बातचीत की खबरों पर अमेरिका का बयानः जंग के बीच ऐसी खबरें आ रही थीं कि पाकिस्तान इस मामले में बीच–बचाव कर सकता है और वहां शांति के लिए बातचीत हो सकती है। हालांकि, अमेरिका ने इन खबरों को पूरी तरह से गलत बताया है। अमेरिका का कहना है कि पाकिस्तान में ईरान के साथ बातचीत की खबरें सिर्फ एक अफवाह हैं।

दूसरी ओर, ईरान ने भी साफ कर दिया है कि अमेरिका के साथ उसकी कोई औपचारिक चर्चा नहीं चल रही है। फिलहाल पाकिस्तान या तुर्किए में किसी भी तरह की सुलह की संभावना की पुष्टि नहीं हुई है।

पीएसएल कैप्टन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भड़के डेविड वॉर्नर, अन्य कप्तानों को बताया स्कूली बच्चा

आज यानी 26 मार्च से पाकिस्तान सुपर लीग का आयोजन हो रहा है। तेल संकट के कारण स्टेडियम में एक भी दर्शक नहीं

होगा। वहीं ये टूर्नामेंट महज दो वेन्यू पर ही खेले जाएंगे। इसके साथ ही ईरान–इजरायल युद्ध के कारण से पैदा हुआ तेल संकट का मुद्दा अलग है लेकिन पीएसएल लगातार नाकारात्मक खबरों के कारण चर्चा में है। कुछ खिलाड़ियों ने पीएसएल से करार को ठेंगा दिखाकर आईपीएल का रुख किया है। इस बीच टूर्नामेंट का आगाज होने से पहले कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। उसमें कप्तानों की बचकाना हकरतों पर डेविड वॉर्नर भड़क गए और अन्य कप्तानों को स्कूली बच्चा बता दिया।

डेविड वॉर्नर पीएसएल की टीम कराची किंग्स के कप्तान हैं। बुधवार को प्री–टूर्नामेंट कैप्टन्स प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई थी। उसमें वॉर्नर के अलावा लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, रावलपिंडिज के कप्तान मोहम्मद रिजवान, पेशावर जल्मी के बाबर आजम, क्वेटा ग्लेडिएटर्स के सौद शकील और हैदराबाद किंग्समेन के कप्तान मार्नस लाबुसेन मौजूद थे।

बता दें कि, पीसी में जब डेविड वॉर्नर बोल रहे थे तभी अन्य टीमों के कप्तान आपस में ही गपशप करते दिखे और न जाने किस बात पर हंस रहे थे। कप्तानों का इस तरह का रवैया वॉर्नर को बिलकुल भी अच्छा नहीं लगा। सवाल का जवाब देते–देते वह अचानक रुक गए। कहा कि क्या गड़बड़ है? सॉरी जेंटलमेन, हमें यहां स्कूल बच्चे मिले हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का सनसनीखेज दावा, ईरान ने दिया था सुप्रीम लीडर बनने का ऑफर!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि ईरान के लोग उन्हें अपना सुप्रीम लीडर बनाना चाहते हैं। वॉशिंगटन में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस पद में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान पिछले एक महीने से चल रहे युद्ध को खत्म करना चाहता है और वहां के अधिकारी अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं।

ट्रंप के मुताबिक, ईरान के नेता यह बात दुनिया के सामने मानने से डर रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि ऐसा करने पर उनके अपने ही लोग उनके खिलाफ विद्रोह कर सकते हैं।

ट्रंप का बड़ा बयान

ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद, ईरान के नेतृत्व ने अनौपचारिक तौर पर उन्हें अगला सुप्रीम लीडर बनने का प्रस्ताव दिया था। ट्रंप ने कहा, श्दुनिया में शायद ही कोई ऐसा होगा जिसे ईरान का प्रमुख बनने में इतनी कम दिलचस्पी हो जितनी मुझे है। उन्होंने मुझसे कहा कि वे मुझे अगला सुप्रीम लीडर बनाना चाहते हैं, लेकिन मैंने कहा, नहीं, धन्यवाद। आपको बता दें कि अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु के बाद, ईरान ने उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सुप्रीम लीडर नियुक्त किया है।

ईरान पर क्या बोले ट्रंप

ट्रंप ने जोर देकर कहा कि तेहरान भले ही सार्वजनिक तौर पर इनकार करे, लेकिन वह किसी भी तरह समझौता करना चाहता है। ट्रंप के अनुसार, ईरानी नेताओं को दो तरफा डर है, एक तो यह कि उनके अपने लोग उन्हें नुकसान पहुँचा सकते हैं, और दूसरा यह कि अमेरिका उन्हें निशाना बना सकता है। ईरान में हाल ही में हुई कई बड़ी मौतों के बाद वहां सत्ता को लेकर एक अस्थिरता पैदा हो गई है।

सीजफायर के लिए ईरान की शर्तें दूसरी ओर, व्हाइट हाउस ने भी पुष्टि की है कि शांति के लिए बातचीत चल रही है, भले ही ईरान ने ऊपर से अमेरिका के प्रस्तावों को ठुकरा दिया हो। ईरान के सरकारी न्यूज चौनल श्प्रेस टीवीश के मुताबिक, ईरान ने युद्ध रोकने के लिए अपनी कुछ शर्तें रखी हैं, अमेरिका और इजरायल दोबारा ईरान पर हमला नहीं करेंगे, युद्ध से जो भी तबाही हुई है, उसका हर्जाना दिया जाए, होर्मुज जलडमरूमध्य (जतंपज वभ्वितउन्र) पर ईरान के कब्जे को मान्यता दी जाए। इस तनाव की वजह से पूरे मध्य–पूर्व और दुनिया भर के बाजारों में काफी उथल–पुथल मची हुई है।

नि. विधायक ने टीवीएस बाइक शो रूम का किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

पचपेड़वा। नवरात्रि के पावन पर्व पर गुरुवार को गनेशपुर बाजार में तिवारी टीवीएस बाइक शो रूम का उद्घाटन मुख्य अतिथि नि. विधायक शैलेश कुमार सिंह उर्फ शैलू ने फीता काट कर किया। शैलेश कुमार सिंह उर्फ शैलू ने कहा कि इस क्षेत्र में दो पहिया वाहन शो रूम ना होने मोटर साइकिल खरीदने के पचपेड़वा जाना पड़ता था,गनेशपुर बाजार में दो पहिया वाहन शो रूम खुल जाने से लोगो को सुविधा होगी।टीवीएस बाइक शो रूम मालिक सुरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि इस क्षेत्र में अत्याधुनिक शो रूम और दो पहिया वर्कशॉप की सुविधा इस क्षेत्र के लोगो को दी जाएगी। बाइक शो रूम के मुख्य अतिथि नि.विधायक शैलेश कुमार सिंह उर्फ शैलू और विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा, प्रदेश परिषद सदस्य विनय त्रिपाठी, भाजपा नेता राम सरन गुप्ता, नि. विधायक प्रतिनिधि, दयाराम प्रजापति, नगर पंचायत अध्यक्ष पचपेड़वा रवि वर्मा, गैसड़ी चेयरमैन प्रिंस वर्मा, जिला पंचायत प्रत्याशी कामेश्वर मिश्रा उर्फ पप्पू मिश्रा, गैसड़ी नगर पंचायत मनोनीत सदस्य राजेंद्र ओझा, गिरजेश पांडेय, सतीश मिश्रा, नगर पंचायत पचपेड़वा मनोनीत सदस्य राम विलास विश्वकर्मा, मंडल अध्यक्ष भाजपा पचपेड़वा, गनेशपुर सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

योग्य व्यक्ति को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर किया सराहनीय कार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता एवं सिविल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विवेक मणि श्रीवास्तव को भाजपा का जिला मीडिया प्रभारी बनाए जाने पर हर्ष का माहौल रहा है तथा लोगों ने शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर श्री चित्रगुप्त सभा के अध्यक्ष अरविन्द कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में सैकड़ों बुद्धिजीवियों ने उनके आवास पहुँचकर बुके व माल्यार्पण कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।स्वागत एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए श्री चित्रगुप्त सभा के अध्यक्ष अरविन्द श्रीवास्तव 'गप्पू भैया' ने कहा कि यह सम्मान समारोह समाज की एकता,सहयोग और सम्मान की भावना का प्रतीक है।उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष इकबाल बहादुर तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने एक कर्मठ,ईमानदार एवं योग्य व्यक्ति को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर सराहनीय कार्य किया है।इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समाजसेवी पंकज सिन्हा,अश्वनी श्रीवास्तव गुरु जी, हर्षवर्धन नेहरू,गगन श्रीवास्तव,उपवन कंवल , फातिमा इंटर कॉलेज के प्रवक्ता ब्रजेश श्रीवास्तव,हिन्दी प्रवक्ता लक्ष्मी नारायण पाण्डेय, अजय श्रीवास्तव,अरविन्द सहाय, विवेक श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव, सुशील 'मामा' सहित अन्य लोगों ने भी बधाई एवं शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।साथ में मनोज कुमार श्रीवास्तव,अजय कुमार श्रीवास्तव,पूर्व सभासद पवन कुमार,अवधेश कुमार श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।अंत में नवनियुक्त जिला मीडिया प्रभारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक मणि श्रीवास्तव ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी हित को सर्वोपरि रखते हुए जनहित में निरंतर कार्य करते रहेंगे।

नवरात्र में आस्था का संगम: 101 कन्याओं का पूजन व कन्या भोज आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। चौत्र नवरात्र के पावन अवसर पर तेजवापुर ब्लॉक के बेहटा भया स्थित प्राथमिक एवं जूनियर विद्यालय में श्रद्धा, भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। यहां 101 कन्याओं का विधि–विधान से पूजन कर भव्य कन्या भोज का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान कन्याओं को देवी स्वरूप मानते हुए उनके चरण धोए गए, तिलक लगाकर पूजा–अर्चना की गई तथा उन्हें स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए। इसके पश्चात सभी कन्याओं को उपहार भेंट कर सम्मानित भी किया गया। इस पुण्य कार्य का नेतृत्व प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री विजय कुमार उपाध्याय ने किया। उन्होंने कहा कि नवरात्र में कन्या पूजन का विशेष महत्व है, जिससे समाज में सेवा, सम्मान और संस्कार की भावना को बढ़ावा मिलता है। विद्यालय परिसर में पूरे समय भक्तिमय माहौल बना रहा और उपस्थित लोगों ने इस आयोजन की सराहना की। इस अवसर पर प्रियंका साहू, पूजा सचान, कुसुम शुक्ला, संतोष श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भाकियू (भानू) में नई नियुक्तियां:चन्द्र भान सिंह बने मुख्य राष्ट्रीय महासचिव, धरम चन्द्र (महेश) को बहराइच जिलाध्यक्ष की कमान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। भारतीय किसान यूनियन (भानू) में संगठनात्मक विस्तार के तहत गुरुवार को महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गईं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने चन्द्र भान सिंह को मुख्य राष्ट्रीय महासचिव तथा धरम चन्द्र (महेश) को जनपद बहराइच का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में जारी पत्र में बताया गया कि दोनों नेताओं को उनके संगठन के प्रति समर्पण, सक्रियता और किसानों के हित में किए गए कार्यों को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति के बाद संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। चन्द्र भान सिंह को मुख्य राष्ट्रीय महासचिव बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत होगा। वहीं धरम चन्द्र (महेश) के जिलाध्यक्ष बनने से जनपद में संगठन की गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे किसानों की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और गांव–गांव तक किसानों को जोड़ने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर किसान नेता एम. एम. सिद्दीकी सहित अन्य पदाधिकारियों ने दोनों नेताओं को बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है। उन्होंने कहा कि यह नियुक्तियां संगठन के विस्तार और किसानों की आवाज को मजबूती देने में मील का पत्थर साबित होंगी। कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया और संगठन को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

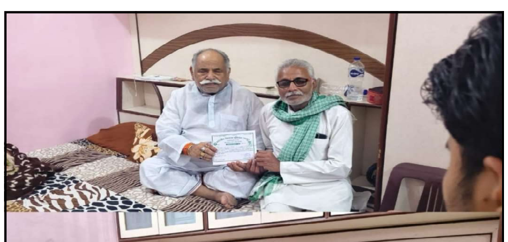

उत्तर प्रदेश सरकार के नव वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

मथुरा/बलरामपुर। स्थानीय क्षेत्र के लक्ष्मनपुर खैरहनिया गांव में उत्तर प्रदेश सरकार के नव वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया। मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य साकेत मिश्र ने कहा कि प्रदेश में सुशासन और विकास को गति मिली है। उन्होंने बताया कि सड़क पुल बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष कार्य हुआ है। साथ ही गरीब किसान महिला और युवाओं के लिए संचालित योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रहा है। वहीं विधायक कैलाशनाथ शुक्ल ने कहा कि क्षेत्र में सड़क पुल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार हो रहा है। विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम में मथुरा घाट पुल निर्माण तथा कोड़री चौधरीडीह मार्ग के चौड़ीकरण और उच्चीकरण कार्य प्रगति पर होने की जानकारी दी गई। इस पर ग्रामीणों ने स्वागत कर माल्यार्पण किया और आभार जताया। इस दौरान मनीष शुक्ल, राघवराम पाण्डेय, बुद्धिसागर अवस्थी, जगदीश पासवान, जनमेजय सिंह, शिवप्रसाद यादव, शिवप्रसाद द्विवेदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिना प्रशिक्षण और न नियमों की जानकारी फिर भी सड़कों पर दौड़ा रहे ई-रिक्शा,प्रशासन की निगरानी पर उठे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में जहां लगातार जाम की समस्या से आमजनता जूझती नजर आ रही है तो वहीं ई–रिक्शा चालक विना किसी सतर्कता को बरतते हुए यहां वहां रोड पर ई–रिक्शा खड़ा कर सवारी भरते नजर आ सकते यही नहीं इनके इस प्रकार रोड पर सवारी बैठाने से जाम तो लगता ही है कई बार दुर्घटना का कारण भी बन जाते बिना किसी प्रशिक्षण और लाइसेंस के सड़कों पर वाहन चला रहे हैं।यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए तेज रफ्तार,गलत दिशा में वाहन चलाना,अचानक मोड़ लेना और क्षमता से अधिक सवारी बैठाना आम बात हो गई है।यही वजह है कि छोटी–छोटी लापरवाहियां भी बड़े हादसों का कारण बन रही हैं। ई–रिक्शा चालकों के हैं। लेकिन प्रशासन तो सिर्फ तमाशबीन बना हुआ है। जानकारों की मानें तो शहर और कस्बों में तेजी से बढ़ रहे ई–रिक्शा अब आम लोगों के लिए सुविधा के साथ–साथ खतरा भी बनते जा रहे हैं।अनट्रेंड और अनुभवहीन चालकों की लापरवाही के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं,जिससे राहगीरों और यात्रियों की जान जोखिम में पड़ रही है।स्थानीय लोगों के अनुसार कई ई–रिक्शा चालक लिए उचित प्रशिक्षण,पंजीकरण और नियमित जांच बेहद जरूरी है इसके अभाव में दुर्घटनाओं का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है।स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि बिना लाइसेंस और बिना प्रशिक्षण के ई–रिक्शा चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए,ताकि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

बैठक में संतोषजनक प्रगति न मिलने पर खनन अधिकारी को शोकाज नोटिस तथा वाणिज्य कर का वेतन रोकने के निर्देश–डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद की डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कर–करेत्तर राजस्व वसूली एवं विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व वसूली से संबंधित विभाग अपने लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें।उन्होंने तहसीलवार बकाया वसूली की प्रगति की समीक्षा की और निर्देश दिए कि लंबित वसूली को प्राथमिकता पर लिया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली में लापरवाही या शिथिलता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों को निर्देशित किया कि वे पोर्टल पर अद्यतन डेटा अपलोड करें और योजनाओं के भौतिक व वित्तीय लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें।डीएम ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला कल्याण, आबकारी, खनन, विद्युत विभाग, शिक्षा विभाग, आयकर विभाग, पशुपालन विभाग, बांटमाप, वन विभाग,नगरपालिका,नगर पंचायत, औषधि विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग, मण्डी, बैंक सहित अन्य विभागों की योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करें।बैठक के दौरान कर एवं निबंधन विभाग, आबकारी, नगर निकायों, जल निगम तथा अन्य राजस्व से संबंधित विभागों को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि वे लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करें और उच्चाधिकारियों को नियमित रिपोर्ट उपलब्ध कराएं।डीएम ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्यों में गति लाना और जनता को योजनाओं का लाभ समय पर दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे समर्पण और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें, ताकि जनहितकारी योजनाएं धरातल पर प्रभावी रूप से लागू हो सकें।कर करेत्तर राजस्व वसूली एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग खण्ड प्रथम तथा लोक निर्माण विभाग खण्ड द्वितीय एवं प्रान्तीय खण्ड के एक्सईएएन को स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि जिन कार्यदायी संस्थाओं के द्वारा रॉयल्टी का भुगतान नहीं किया गया है वे तत्काल रायल्टी का भुगतान करना सुनिश्चित करें। अन्यथा संबंधित कार्य संस्था को ब्लैक लिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी।समीक्षा के दौरान खनन विभाग की रैंकिंग खराब होने के कारण कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य में सुधार लाने के निर्देश दिए हैं,वहीं कृषक दुर्घटना बीमा की पत्रावली लंबित होने के कारण सभी उप जिलाधिकारी को कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए हैं कि यदि कृषक दुर्घटना बीमा की पत्रावली लंबित की गई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान रैंकिंग खराब होने के कारण वाणिज्य कर विभाग का वेतन रोकने तथा खनन विभाग के अधिकारी को शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

डीएम की अध्यक्षता मे पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू गैस सिलेण्डर की आपूर्ति के संबंध में बैठक हुई आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में जनपद में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू गैस सिलेण्डर की आपूर्ति के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीणा व अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश उपस्थित रहे। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में सभी सेल्स आफिसर को पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू गैस सिलेण्डर की आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिये गये। उन्होंने बताया कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल/डीजल/गैस सिलेण्डर उपलब्ध है। अतः किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दे। उन्होंने आम जनमानस से अनुरोध किया है कि आवश्यक्तानुसार ही पेट्रोल/डीजल, गैस क्रय करें एवं अनावश्यक भण्डारण से बचें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर अरूण कुमार, उप जिलाधिकारी धनघटा सुनील कुमार, उप जिलाधिकारी मेहदावल संजीव राय, पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर अमित कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी राजीव कुमार, इण्डियन आयल/बी०पी०सी०एल०/एच०पी०सी०एल० के सेल्स आफिसर एवं समस्त आपूर्ति विभाग के अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

किसानों के लिए वरदान है एसीई ट्रैक्टर, मिल रही बेहतरीन सुविधा

दैनिक बुद्ध का संदेश

पचपेड़वा। रिद्धि सिद्धि ट्रैक्टर एजेंसी जुड़ीकुइयां पचपेड़वा पर एसीई ट्रैक्टर का बेहतरीन लाभ किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। एसीई ट्रैक्टर का इतिहास और कंपनी से ...नवरात्रि के शुभ अवसर पर एसीई ट्रैक्टर किसानों के लिए सचमुच एक वरदान है, क्योंकि इस दौरान जीएसटी दरें 12: से घटाकर 5: कर दी गई हैं, जिससे ट्रैक्टरों की कीमत में 40 हजार से 1 लाख रुपये तक की भारी गिरावट आई है।एजेंसी के मालिक भाजपा नेता राम सरन गुप्ता ने बताया कि किसानों को बेहतर लाभ मिले इसके लिए प्रयासरत रहता हूं।इस अवसर पर एसीई ट्रैक्टर कंपनी के सर्विस हेड केसराज ने किसानों को जानकारी भी दी।

निपुण विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह के संयोजन तथा वित्त एवं लेखा अधिकारी वीरेश कुमार वर्मा के द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण करने के बाद निपुण विद्यालय शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया स बतौर मुख्य अतिथि वित्त एवं लेखा अधिकारी वीरेश कुमार वर्मा ने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें जिससे उनको शत–प्रतिशत संप्राप्ति हो, यही निपुण विद्यालय की रूपरेखा है, निपुण विद्यालय बनने से विकासखंड निपुण बनेगा, तदोपरांत जिला भी निपुण जिला घोषित होगा स परियोजना के आदेश और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान बहराइच के डीएलएड प्रशिक्षु द्वारा निपुण आकलन किया गया, जिसमें निपुण हुए विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को उत्थान आडिटोरियम कपूरथला बहराइच में सम्मानित किया गया। निपुण विद्यालय सम्मान समारोह का संचालन पयागपुर के शिक्षक राजेश कुमार मिश्र ने किया, अपने उद्बोधन में राजेश कुमार मिश्र ने कहा कि निपुण विद्यालय बनाने में सभी शिक्षकों का योगदान है निश्चित तौर पर अगले सत्र में हमारा जनपद भी निपुण घोषित होगा, समारोह में बृजेश कुमार तिवारी, विज्ञान समन्वयक डॉ नन्द कुमार शुक्ल ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का आयोजन जिला समन्वयक निपुण संतोष कुमार सिंह, जिला समन्वयक समेकित लाल जी दुबे, यूडायस प्रभारी इसरार अहमद, राकेश कुमार मौर्य, डॉ विनय कुमार अवस्थी, अनूप कुमार मिश्र, पयागपुर राजेश कुमार मिश्र, रंजना पीटर्स , अनिल सिंह विसेन, अमित चहर, प्रदीप तिवारी, आदित्य विद्यार्थी, हरि ओम गौड़, महेश कुमार, विजय कुमार सरोज को भी प्रधानाध्यापक के रूप में निपुण विद्यालय प्रधानाध्यापकों के साथ सम्मानित किया गया।

सवा किलो अवैध गांजा के साथ एक महिला गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शक्तिनगर पुलिस ने क्षेत्र में अवैध तरीके से गांजा बेचने वाली एक महिला को अवैध गांजा के साथ गिरतार कर 8/56 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जेल रवाना कर दिया। थाना प्रभारी कमल नयन दुबे ने बताया कि कई दिनों से अवैध मादक पदार्थ बिक्री की शिकायत क्षेत्र में मिल रहा था। दबिश देने पर चिल्काडांड बस्ती निवासी कुसुम गुप्ता पत्नी राकेश गुप्ता उर्फ गुड्डू के पास से सवा किलो अवैध गांजा बरामद कर जेल रवाना कर दिया।

चोपन में सर्राफा व्यापारी के घर लाखों की चोरी, परिवार को कमरे में बंद कर वारदात

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र |चोपन थाना क्षेत्र के कस्बे में बीती रात चोरों ने एक सर्राफा व्यापारी के घर धावा बोलकर लाखों रुपये के सोने–चांदी के गहने और नगदी चोरी कर ली। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि चोर देर रात घर में घुसे और पहले परिवार के सदस्यों को उनके कमरे में बाहर से बंद कर दिया, ताकि कोई विरोध न कर सके। इसके बाद चोरों ने आराम से घर के एक कमरे में रखे बक्सों और आलमारियों को खंगाला। कपड़े और अन्य सामान को भी बुरी तरह तहस–नहस कर दिया गया।

पीड़ित दिनेश वर्मा के अनुसार, रात में परिवार के सभी लोग खाना खाकर ऊपर सोने चले गए थे। सुबह करीब 4रू30 बजे जब उनकी नींद खुली और दरवाजा खोलने की कोशिश की, तो वह बाहर से बंद मिला। इसके बाद वह दीवार कूदकर बाहर निकले और दरवाजा खोला। नीचे जाकर देखा तो अन्य कमरों के दरवाजे भी बाहर से बंद थे और एक कमरे में सारा सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित ने बताया कि घर से करीब 60 से 65 हजार रुपये नकद, ढाई से तीन भर सोना और तीन से चार भर चांदी के जेवरात चोरी हो गए हैं। हालांकि चोर दुकान में रखें तिजोरी तक नहीं पहुंच पाए। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई, जिसके बाद डायल 112 टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और चोरी की घटना की जांच शुरू कर दी है।

चेकिंग के दौरान अवैध गांजा के साथ शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चौत्र नवरात्रि के . ष्टिगत चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान थाना कोन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 04 किलो 94 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक शातिर अभियुक्त को गिरतार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है ।थाना प्रभारी निरीक्षक संजीव सिंह ने बताया कि गुरुवार को संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर बगिया पेट्रोल पंप के आगे, ग्राम बगिया क्षेत्र से एक व्यक्ति को पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर अभियुक्त के कब्जे से एक बोरी में चार बंडलों में रखा कुल 04 किलो 94 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उसकी पहचान जितेन्द्र विन्द उर्फ देवकी पुत्र जगदीश निवासी खम्हरिया सोनवर्षा, थाना कोन के रूप में हुई। जामातलाशी में उसके पास से एक कीपैड मोबाइल फोन एवं 500 रुपये नकद भी बरामद किए गए। इस संबंध में थाना कोन पर मु0अ0सं0 46/2026, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजी.त कर अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। थाना प्रभारी के अनुसार गिरतार अभियुक्त का आधा दर्जन से अधिक आपराधिक इतिहास रहा है। गिरतारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, उपनिरीक्षक राकेश राय, उपनिरीक्षक वीरेन्द्र वर्मा सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

हत्या के प्रकरण में वांछित 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्तआलाकत्ल बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं

क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष बीजपुर राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में बीजपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। 25.03.2026 को उ0नि0 श्रवण कुमार यादव मय हमराह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग एवं वांछित अभियुक्तों की तलाश में मौजूद थे। इसी दौरान मुखबिर खास की सूचना पर ग्राम सिरसोती स्थित बरन नदी जाने वाले मार्ग के पास से मु0अ0सं0– 32/2026 धारा 105 बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त कन्हैया पुत्र केवल राम (उम्र 35 वर्ष) निवासी ग्राम कुसमहा थाना म्योरपुर, हाल पता ग्राम सिरसोती टोला महुआवारी थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र को समय करीब 19रू20 बजे गिरतार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त सब्बल (आलाकत्ल) बरामद किया गया। गिरतार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए उसे न्यायालय भेजा गया है।

अफवाह के चलते पंपों पर दबाव, प्रशासन ने कहा स्टॉक पर्याप्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले में एक अफवाह ने अचानक अफरा–तफरी का माहौल पैदा कर दिया, जिसके चलते पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों में तेल खत्म होने की आशंका के कारण बड़ी संख्या में वाहन चालकों ने पंपों का रुख किया, जिससे कई स्थानों पर लंबी–लंबी कतारें लग गईं। स्थिति यह रही कि पेट्रोल और डीजल लेने के लिए लोगों की भीड़ नियंत्रण से बाहर होती नजर

आई। कई पंपों पर घंटों इंतजार करना पड़ा और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। अचानक बढ़ी भीड़ के कारण कुछ जगहों पर हल्का तनाव भी देखने को मिला। हालांकि प्रशासन ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए बताया कि जिले में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कई पेट्रोल पंपों पर पुलिस बल तैनात कर दिया है, जिससे व्यवस्था को बनाए रखा जा सके। पुलिसकर्मी लोगों को समझाने और भीड़ को नियंत्रित करने में जुटे हुए हैं। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

आग लगने से प्रभावित दुकानदारों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी आर्थिक सहायता'

मुख्यमंत्री राहत कोष से चार दुकानदारों को दिए गए कुल 14 लाख रुपये

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महानगर के रायगंज में 10 मार्च को दुकान में आगे लगने से प्रभावित चार दुकानदारों को आर्थिक सहायता प्रदान की। इन दुकानदारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से कुल 14 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि के चेक दिए गए। 10 मार्च को आग लगने की घटना में रायगंज के हरिश्चंद्र गुप्ता, अमित कुमार गुप्ता, युवराज गुप्ता और ब्रजेश मणि गुप्ता की दुकान और आवासीय क्षेत्र में व्यवासायिक और गृहस्थी से जुड़े सामान का नुकसान हुआ। प्रभावितों को संबल प्रदान करने के मुख्यमंत्री ने गुरुवार दोपहर बाद गोरखनाथ मंदिर स्थित बैठक कक्ष में उनसे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष से हरिश्चंद्र गुप्ता व अमित कुमार गुप्ता को 5–5 लाख रुपये और युवराज गुप्ता व ब्रजेश मणि गुप्ता को 2–2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव व विधायक विपिन सिंह भी मौजूद रहे।

'महागौरी की पूजा कर मुख्यमंत्री ने किया हवन, की लोकमंगल की प्रार्थना'

'गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार नवरात्र अष्टमी तिथि की रात में होता है हवन'

गोरखपुर। चैत्र (वासंतिक) नवरात्र की अष्टमी तिथि पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार रात गोरखनाथ मंदिर स्थित शक्तिपीठ में विधि विधान से मां महागौरी की पूजा अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार हवन व आरती के साथ मुख्यमंत्री ने अनुष्ठान पूर्ण किया और मां आदिशक्ति जगतजननी से प्रदेशवासियों के मंगल की प्रार्थना की। वासंतिक नवरात्र के पहले ही दिन से गोरखनाथ मंदिर में देवी आदिशक्ति भगवती के अलग–अलग स्वरूपों की पूजा अर्चना का क्रम जारी है। बुध ावार को गोरखपुर आए गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवरात्र की अष्टमी तिथि पर गुरुवार रात में मां महागौरी की विधि विधान से आराधना की। इसके बाद उन्होंने गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार अष्टमी का हवन किया। आरती व प्रसाद वितरण के साथ महाष्टमी की आराधना पूर्ण हुई। आनुष्ठानिक कार्य गोरक्षपीठ के पुरोहितों व आचार्यों के साथ वेदपाठी विद्यार्थियों ने सम्पन्न कराया।

चंडीगढ़ में महाराष्ट्र ने पदकों की गुढ़ी उठाई, योग स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

चंडीगढ़। अखिल भारतीय नागरी सेवा योग क्रीड़ा स्पर्धा 2025–26 में महाराष्ट्र टीम ने उत्.ष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता की नई इबारत लिखी है। श्रीमती अपर्णा जाधव (मानद सचिव, योग विभाग, सचिवालय जिमखाना) के मार्गदर्शन में टीम ने कुल 15 पदक जीतकर विजय की गुढ़ी उठाई। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता

में देश के 24 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से लगभग 400 खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में भाग लिया। कड़े मुकाबले के बीच महाराष्ट्र टीम ने 1 स्वर्ण, 7 रजत और 7 कांस्य पदक हासिल किए। इसके साथ ही पुरुष टीम ने सामूहिक द्वितीय स्थान भी प्राप्त किया, जिससे पूरे राज्य में खुशी की लहर है। पदक विजेताओं की सूची : स्वर्ण पदक : दत्ताराम सावंत – आर्टिस्टिक सोलो (50+) रजत पदक (7) योगिता देशाई – ट्रेडिशनल सोलो (50+) शुभांगी सेजुल व योगिता देशाई – आर्टिस्टिक पेअर (50+) दत्ताराम सावंत व नामदेव चौधरी – आर्टिस्टिक पेअर (50+) योगेश्वर सानप व अभिजीत गायकवाड – आर्टिस्टिक पेअर (40 से कम) कांस्य पदक (7) योगिता देशाई – आर्टिस्टिक सोलो (50+) दयानंद बिडवे – ट्रेडिशनल व आर्टिस्टिक सोलो (40–50) श्रीकांत घोलकर व अभिजीत गायकवाड – रिदमिक पेअर (40 से कम) संगीता शेळके व भारती खराडे – रिदमिक पेअर (50+) महाराष्ट्र योग टीम के इस शानदार प्रदर्शन पर खेल प्रेमियों एवं अधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी है।

जिलापंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि को मातृ शोक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलापंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरूण सिंह निवासी खैरपुर की माता प्रभावती देवी का बुधवार लगभग रात्रि 1 बजे 102 वर्ष की अवस्था में गोलोक वासी हो गई, अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार को हरिश्चंद्र घाट वाराणसी पर किया जाएगा। शोका कुल परिवारीजन सहित क्षेत्र के सम्मानित सैकड़ो लोग हरिशचंद्र घाट वाराणसी के लिये रवाना हो गए। हरिशचंद्र घाट पर ग्रामीणों एवं अन्य पारिवारी जनो के दर्शनार्थ शव रखा जाएगा। तत्पश्चात शोका कुल परिवार द्वारा अग्नि दाह के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

माँ महागौरी के दर्शन से भक्त हुए निहाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शक्ति नगर स्थित शक्तिपीठ मां ज्वालामुखी मंदिर में आठवें दिन महागौरी स्वरूप की पूजा आराधना भक्तों ने की। मां महागौरी के पूजन से सभी नौ देवियां प्रसन्न होती हैं। भगवान शिव ने अपने जटा से बह रही गंगाजल से भगवती गौरी का अभिषेक किया।भगवती ने पूर्ण गौरवर्ण धारण किया। महागौरी का पूजन करने से स्त्री जातकों का सौभाग्य की प्राप्ति होती है।जातक व्याधि से मुक्त रहते हैं।भोर 4रू00 के बाद घंटे की धुन के साथ मंगला आरती के बाद मां का कपाट दर्शनार्थियों के लिए दर्शन हेतु खोल दिया गया।

मंदिर परिसर में चप्पे चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी कमलनयन दुबे के साथ पुलिस टीम,अखिल भारतीय विद्यार्थी के छात्राओं व युवा वर्ग के वालंटियर ने भी सुरक्षा व्यवस्था का बीड़ा उठाया। मंदिर में ढोल नगाड़ों के साथ घंटे की धुन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मंदिर के पुजारी श्लोकी मिश्रा ने बताया कि मां महागौरी का ध्यान सर्वाधिक कल्याणकारी है। उधर मेले परिसर में लगभग 30 कैमरे चालू किया जा सके हैं। जिसकी मॉनिटरिंग पुलिस बूथ से की जा रही है। किसी प्रकार की चूक ना हो इसके लिए युवा वर्ग के वालंटियर सक्रिय नजर आ रहे है।

मां स्वरूपा कन्याओं का हुआ पूजन, चढ़ाई गई चुनरी

मां स्वरूप कन्याओं को चुनरी चढ़ा कर,प्रसाद का भोज कराए सामाजिक कर्मयोगी मंजीत कुमार (बाबू) ने

रषद,मां अकलेश शक्ति सेवा सदन परिवार एवं डॉ अशोक कुमार श्रीवास्तव फैंस एसोसिएशन द्वारा गोलघर स्थित मां अकलेश सभागार में हर वर्ष की बात थी इस वर्ष भी हो पवित्र रामनवमी पूजन के साथ मां स्वरूपा कन्याओं का पूजन अर्चन हुआ । कन्या पूजन ,कन्या भोज व कुमारी पूजा एक हिन्दू पवित्र अनुष्ठान है, जिसे नवरात्रि पर्व के आठवें और नौवें दिन किया जाता है।इसमें मुख्य रूप से नौ बाल कन्याओं की पूजा की जाती है, जो देवी दुर्गा (नवदुर्गा) के नौ रूपों का प्रतिनिधित्व करती हैं। हिंदू दर्शन के अनुसार, इन कन्याओं को सृजन की प्राकृतिक शक्ति की अभिव्यक्ति माना जाता रहा है। किंवदंती है कि नवरात्रि के नौवें दिन शक्ति ने देवी दुर्गा का रूप धारण किया था, देवों के अनुरोध पर राक्षस कलसुरा का वध करने के लिए। उक्त वक्तव्य व्योवृद्ध प्रख्यात समाजसेवी श्री दुर्गा प्रसाद (बाबू जी) ने व्यक्त । मुख्य आयोजन कर्ता मंजीत कुमार श्रीवास्तव (बाबू) ने उपस्थित सभी कन्याओं का पैर धोकर चुनरी चढ़ाकर,भोजन करा कर उनको कुछ उपयोगी सामग्री प्रदान पूजन प्रारंभ किया । सभी उपस्थित लोगों ने मां की आराधना व कन्याओं का पूजन किया । इस अवसर पर पूर्व रेलवे अधिकारी इं .प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, प्रख्यात शिक्षाविद डॉ.मनोज कुमार श्रीवास्तव, प्रसिद्ध रेलवे एक्टिविस्ट इंजी. रंजीत कुमार, प्रमुख उद्यमी इंजी.संजीत कुमार, समाजसेवी मंजीत कुमार, इं. अनुभव कुमार , ई.प्रखर श्रीवास्त, डॉ पृथिका,डॉ .किरण, डॉ अर्चना, डॉ. विभा, निवेदिता ,स्मिता, मनीषा ,सौम्या ,अंशिका, मांगीरीश, मानित,अनिल मिश्रा, हरीश पांडे,सुनील चौध ारी,मुकेश सिंह आदि लोग बड़ी संख्या थे।

अवघूत भगवान राम आश्रम दुर्गा मंदिर कलकली बहरा में नवरात्रि का पर्व संपन्न ,भव्य भंडारे का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

दुद्धी/सोनभद्र। अवधूत भगवान राम आश्रम एवं दुर्गा मंदिर

वार्ड 07 में चौत्र नवरात्रि पूजा को लेकर भव्य भंडारे का आयोजन हुआ,नौ कन्याओं का पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर व्रत धारी ने पुड़ी हलवा चना का सब्जी मिष्ठान का भोग के रूप में कराया,नौ छोटी कन्याओं एवं भैरव बाबा को भोग लगाने के बाद सभी को प्रणाम कर भक्तों ने आशीर्वाद प्राप्त किया, भंडारे का आयोजन अघोर सेवा मंडल आश्रम पड़ाव वाराणसी के दिशा निर्देश पर दुद्धी आश्रम में भी 9 दिन अघोर सेवा पद्धति से पूजा पाठ हवन कार्यक्रम किया गया ,इसके उपरांत आज अष्टमी के दिन नौ कन्याओं एवं अघोरेश्वर भगवान राम को भोग लगाने बार भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें पूरी सब्जी महाप्रसाद के रूप में अमृततानसन का प्रसाद प्रकार श्रद्धालु पुण्य के भागी बने और मंदिर में मत्था टेक माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त कर अपने घर के लिए वापस हुए,इस मौके पर आश्रम परिवार के सचिव जितेंद्र श्रीवास्तव, गुरु माता शकुंतला श्रीवास्तव, अभिलाष श्रीवास्तव, विशाल चौरसिया,सतीश विश्वकर्मा मंगल पनिका दीनबंधु मनीष कुमार मनोज पनिका सहित अन्य लोग भंडारे में सुबह से शाम तक सहयोग में लगे रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

मर्यादा, सुशासन और शांति के विश्वनायक श्रीराम

श्रीराम का जीवन हमें सबसे पहले मर्यादा का संदेश देता है। आधुनिक विश्व की सबसे बड़ी समस्या मर्यादा का संकट है–राजनीति में मर्यादा नहीं, समाज में मर्यादा नहीं, परिवार में मर्यादा नहीं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी मर्यादा नहीं। श्रीराम का जीवन बताता है कि शक्ति से अधिक महत्वपूर्ण मर्यादा होती है।

रामनवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का पुण्य और पवित्र अवसर है। आज जब दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंक, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, राजनीतिक अविश्वास और नैतिक पतन जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रही है, तब मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन–दर्शन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव समाज और विश्व–राजनीति के लिये मार्गदर्शन का स्रोत बन सकता है। श्रीराम का जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं है, बल्कि वह शासन, समाज, परिवार, युद्ध, कूटनीति, न्याय और मानव संबंधों का एक संपूर्ण दर्शन है, जिसे आधुनिक संदर्भों में पुनर्पाठ की आवश्यकता है। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन विलक्षणताओं एवं विशेषताओं से ओतप्रोत है, प्रेरणादायी है। उन्हें अपने जीवन की खुशियों से बढकर लोक जीवन की चिंता थी, तभी उन्होंने अनेक तरह के त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किये। राजा के इन्हीं आदर्शों के कारण ही भारत में रामराज्य की आज तक कल्पना की जाती रही है। श्रीराम के बिना भारतीय समाज की कल्पना संभव नहीं है। अब श्रीराम मन्दिर के रूप में एक शक्ति एवं सिद्धि स्थल बन गया है, जो रामराज्य के सुदीर्घ काल के सपने को आकार देने का सशक्त एवं सकारात्मक वातावरण भी बनेगा। श्रीराम मंदिर जीवनमूल्यों की महक एवं प्रयोगशाला के रूप में उभरेगा। क्योंकि श्रीराम का चरित्र ही ऐसा है जिससे न केवल भारत बल्कि दुनिया में शांति, अहिंसा, अयुद्ध, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं अमन का साम्राज्य स्थापित होगा। ईरान–इजरायल एवं यूक्रे–रूस के बीच चल रहा युद्ध एवं इस परिप्रेक्ष्य में विश्वयुद्ध की संभावनाओं को देखते हुए श्रीराम के जीवन आदर्शों को विश्व व्यापी बनाने की अपेक्षा है, ताकि दुनिया शांति एवं चौन से जी सके।

श्रीराम का जीवन हमें सबसे पहले मर्यादा का संदेश देता है। आधुनिक विश्व की सबसे बड़ी समस्या मर्यादा का संकट है–राजनीति में मर्यादा नहीं, समाज में मर्यादा नहीं, परिवार में मर्यादा नहीं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी मर्यादा नहीं। श्रीराम का जीवन बताता है कि शक्ति से अधिक महत्वपूर्ण मर्यादा होती है। उन्होंने सामर्थ्य होते हुए भी राज्य के लिये संघर्ष नहीं किया, बल्कि पिता की आज्ञा और समाज की मर्यादा को सर्वोच्च माना। आज यदि विश्व राजनीति में मर्यादा और नैतिकता का समावेश हो जाये, तो अनेक युद्ध स्वतः समाप्त हो सकते हैं। राष्ट्र यदि केवल शक्ति और विस्तारवाद की नीति छोड़कर मर्यादा और न्याय की नीति अपनाएं, तो विश्व शांति संभव हो सकती है। आज दुनिया के अनेक युद्ध चाहे वह रूस–यूक्रेन युद्ध हो, मध्य–पूर्व के संघर्ष हों या अन्य क्षेत्रीय युद्ध–इन सबके मूल में अहंकार, विस्तारवाद, संसाधनों पर अधिकार और वैचारिक वर्चस्व की लड़ाई है। श्रीराम का युद्ध दर्शन इससे बिल्कुल भिन्न था। उन्होंने कभी युद्ध को लक्ष्य नहीं बनाया, बल्कि युद्ध उनके लिये अंतिम विकल्प था। उन्होंने पहले संवाद किया, फिर दूत भेजा, फिर समझौते का प्रयास किया और अंत में जब सभी रास्ते बंद हो गये तब युद्ध किया। यह युद्ध नीति आज के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिये एक आदर्श मॉडल हो सकती है–पहले संवाद, फिर कूटनीति, फिर प्रतिबंधा और अंत में युद्ध। आधुनिक विश्व यदि इस क्रम को स्वीकार कर ले, तो युद्धों की संख्या कम हो सकती है। श्रीराम का जीवन सुशासन का भी आदर्श प्रस्तुत करता है, जिसे आज "रामराज्य" के रूप में जाना जाता है। रामराज्य का अर्थ केवल धार्मिक राज्य नहीं, बल्कि न्याय, समानता, सुरक्षा, समृद्धि और नैतिक शासन व्यवस्था है। रामराज्य में राजा और प्रजा के बीच दूरी नहीं थी, शासन उत्तरदायी था, न्याय त्वरित था, समाज में भय नहीं था और आर्थिक असमानता अत्यधिक नहीं थी। आज लोकतंत्र होने के बावजूद जनता और शासन के बीच दूरी बढ़ती जा रही है, राजनीति सेवा से अधिक सत्ता का माध्यम बनती जा रही है।

श्रीराम का शासन हमें बताता है कि शासन का उद्देश्य सत्ता नहीं, सेवा होना चाहिए। आधुनिक लोकतंत्र यदि रामराज्य की अवधारणा से प्रेरणा ले, तो लोकतंत्र अधिक मानवीय और उत्तरदायी बन सकता है। श्रीराम का जीवन पारिवारिक मूल्यों का भी अद्‍भुत उदाहरण है। आज दुनिया में परिवार टूट रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद समाप्त हो रहा है, रिश्ते स्वार्थ पर आधारित होते जा रहे हैं। श्रीराम ने पुत्र के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, भाई के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, पति के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया और मित्र के रूप में भी आदर्श प्रस्तुत किया। भरत और राम का संबंध त्याग और प्रेम का सर्वोच्च उदाहरण है। आज यदि परिवारों में अधिकार की जगह कर्तव्य और स्वार्थ की जगह त्याग की भावना आ जाये, तो समाज की आधी समस्याएं समाप्त हो सकती हैं। श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता–पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। श्रीराम हमारी अनंत मर्यादाओं के प्रतीक पुरुष हैं इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के नाम से पुकारा जाता है। हमारी संस्कृति में ऐसा कोई दूसरा चरित्र नहीं है जो श्रीराम के समान मर्यादित, धीर–वीर, न्यायप्रिय और प्रशांत हो। वाल्मीकि के श्रीराम लौकिक जीवन की मर्यादाओं का निर्वाह करने वाले वीर पुरुष हैं। उन्होंने लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध किया और लोक धर्म की पुनःस्थापना की।

लेकिन वे नील गगन में दैदीप्यमान सूर्य के समान दाहक शक्ति से संपन्न, महासमुद्र की तरह गंभीर तथा पृथ्वी की तरह क्षमाशील भी हैं। वे दुराचारियों, यज्ञ विध्वंसक राक्षसों, अत्याचारियों का नाश कर लौकिक मर्यादाओं की स्थापना करके आदर्श समाज की संरचना के लिए ही जन्म लेते हैं। आज ऐसे ही स्वस्थ समाज निर्माण की जरूरत है। सामाजिक दृष्टि से भी श्रीराम का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाज के सबसे निम्न माने जाने वाले लोगों को भी सम्मान दिया। केवट, शबरी, जटायु, सुग्रीव, हनुमान–ये सभी समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि थे। श्रीराम ने सभी को साथ लेकर संघर्ष किया और विजय प्राप्त की। यह सामाजिक समरसता का अद्‍भुत उदाहरण है। आधुनिक राष्ट्र निर्माण में भी यही सिद्धांत लागू होता है कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर ही राष्ट्र शक्तिशाली बन सकता है। केवल आर्थिक विकास से राष्ट्र महान नहीं बनता, सामाजिक समरसता और नैतिक एकता से राष्ट्र महान बनता है। श्रीराम हमारे कण–कण में समाये हैं, हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग हैं। श्रीराम का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि एक आदर्श राष्ट्र केवल सेना और अर्थव्यवस्था से नहीं बनता, बल्कि चरित्र से बनता है। यदि नागरिक चरित्रवान होंगे, तो राष्ट्र स्वतः शक्तिशाली होगा। आज राष्ट्र शक्ति का अर्थ केवल सैन्य शक्ति और आर्थिक शक्ति माना जाता है, जबकि श्रीराम का जीवन बताता है कि नैतिक शक्ति सबसे बड़ी शक्ति होती है। रावण के पास अधिक सेना, अधिक धन, अधिक विद्या और अधिक शक्ति थी, फिर भी उसकी हार हुई क्योंकि उसके पास नैतिक शक्ति नहीं थी। यह आज के विश्व के लिये बहुत बड़ा संदेश है। आज जब दुनिया अस्तित्व के संकट, पर्यावरण संकट, युद्ध संकट और नैतिक संकट से जूझ रही है, तब श्रीराम का जीवन मानवता को संतुलन का संदेश देता है–शक्ति और शांति का संतुलन, अधिकार और कर्तव्य का संतुलन, भोग और त्याग का संतुलन, राज्य और समाज का संतुलन, परिवार और व्यक्तिगत जीवन का संतुलन। यही संतुलन ही मानव सभ्यता को बचा सकता है।

रामनवमी का पर्व हमें केवल पूजा करने का संदेश नहीं देता, बल्कि श्रीराम के जीवन को अपने जीवन, समाज और राष्ट्र की नीति में उतारने का संदेश देता है। यदि विश्व राजनीति श्रीराम की युद्ध नीति से प्रेरणा ले, यदि लोकतंत्र श्रीराम के सुशासन से प्रेरणा ले, यदि परिवार श्रीराम के पारिवारिक मूल्यों से प्रेरणा ले और यदि समाज श्रीराम की समरसता की भावना से प्रेरणा ले, तो एक आदर्श समाज और आदर्श राष्ट्र की कल्पना साकार हो सकती है। आज आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम केवल मंदिर बनाएं, बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने भीतर राम का निर्माण करें। जब व्यक्ति के भीतर राम का जन्म होगा, तभी समाज में रामराज्य आएगा। राम केवल इतिहास नहीं हैं, राम केवल आस्था नहीं हैं, राम मानव सभ्यता के नैतिक भविष्य का नाम हैं। यही रामनवमी का वास्तविक संदेश है।

सामाजिक समरसता के प्रतीक भगवान श्रीराम

भारत विविधतापूर्ण भाषा संस्कृति वाला देश है। देश को एक सूत्र में पिरोकर रखने के लिए ऐसे नेतृत्व की सदैव आवश्यकता रही है जो समस्त विविधताओं में समन्वय स्थापित कर सामाजिक व्यवस्था में समरसता बनाए रख सके। इस दृष्टि से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम सामाजिक समरसता के अग्रदूत हैं। हमारे वेद तथा धर्मशास्त्रों में धर्म के स्वरूप व आचार–विचार की विवेचना तो है किन्तु सामाजिक जीवन में उसको व्यवहार में कैसे लाया जाये, इसका आदर्श उदाहरण भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र में ही दृष्टिगोचर होता है। समस्त लौकिक व अलौकिक गुणों का जो समावेश भगवान श्रीराम के जीवन में स्पष्ट होता है वह अन्यत्र दुर्लभ है। एक साधारण मनुष्य के रूप में समस्त सामाजिक, नैतिक और राजनैतिक मर्यादाओं का जैसा पालन श्रीराम ने किया है वैसा कोई अन्य उदाहरण विश्व साहित्य में भी उपलब्ध नहीं है। विपरीत परिस्थितियों में जीवन से हार मान लेने वाले निराश–हताश व्यक्तियों के लिए भगवान श्रीराम का जीवन एक प्रेरणा का स्रोत है। उनके जीवन में कई बार ऐसी विषम परिस्थितियां उत्पन्न हुईं जिनमें सामान्य व्यक्ति या तो निराशा के गर्त में गिरकर अपना जीवन नष्ट कर लेता है अथवा ईर्ष्या –क्रोध के वशीभूत होकर पारिवारिक तथा सामाजिक सदाचार व नैतिक मर्यादाओं का उल्लंघन कर बैठता है लेकिन भगवान श्रीराम ने इन विपरीत परिस्थितियों में न केवल सदाचार व नैतिक मर्यादाओं की प्रतिष्ठा की अपितु समन्वय तथा समरसता की भावना भी मजबूत की।

ये भगवान श्रीराम ही थे जिन्होंने राज्याभिषेक के समय माता कैकेयी द्वारा चौदह वर्ष के वनवास के आदेश को न केवल सहर्ष स्वीकार किया अपितु माता कैकेयी के प्रति भी उनके मन में किंचित भी क्रोध, द्वेष या प्रतिकार की भावना उत्पन्न नहीं हुई। वे माता कौशल्या की भांति ही कैकेयी के प्रति भी आदर का भाव रखते रहे। अनुज लक्ष्मण जब कैकेयी की निंदा करते हैं तो वे तुरंत लक्ष्मण को रोकते हैं। साथ ही भाई भरत व शत्रुघ्न के प्रति लक्ष्मण के मन का संशय भी दूर करते हैं। अनुज भरत व शत्रुघ्न जब वनवास के लिए मन्थरा व कैकेयी के प्रति अपना क्रोध प्रकट करते हैं तब श्रीराम उन्हें भी शांत करते हैं। परिवार में समरसता स्थापित करने का ऐसा कोई उदाहरण नहीं है। श्रीराम ने वनवासी जीवन में उत्तर से दक्षिण तक विभिन्न जातियों व वर्गों के मध्य परस्पर प्रेम व विश्वास की भावना का संचार किया। निषादराज गुह के यहां रुक कर और उन्हें गले लगाकर भगवान श्रीराम ने सामाजिक समरसता का संदेश दिया। शबरी के झूठे बेर खाकर प्रेम व स्नेह का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। समाज के पिछड़े, दलित, वंचित लोग भी सम्मानपूर्ण जीवन के अधिकारी हैं इस शिक्षा के लिए श्रीराम का जीवन आदर्श है। इसी प्रकार केवट को पारिश्रमिक देने की बात भी अत्यंत महत्वपूर्ण है बिना पारिश्रमिक दिए किसी श्रमिक से कार्य करवाना भी अन्याय है, निर्धनों का शोषण है। गुणवान होने के साथ ही भगवान श्रीराम धर्म व अर्थ तत्व को भी जानते हैं।

सामाजिक समरसता की स्थापना के लिए भगवान श्रीराम ने सदा न्याय का साथ दिया और अन्याय के विरुद्ध खड़े हुये। इसका सुंदर उदारहण बालि वध का प्रसंग है। बालि ने जब धर्म की दुहाई देते हुए श्रीरामजी के कार्य को अन्याय बताया तो उन्होंने उसकी बात का खण्डन करते हुए कहा कि –"बालि तुम्हें तुम्हारे पाप का ही दण्ड मिला है।तुमने अपने छोटे भाई की स्त्री को जो तुम्हारी कन्या के समान है बलपर्वूक रख लिया हैअतः तुम्हें दण्ड देकर मैने राजधर्म, मित्रधर्म एवं प्रतिज्ञा का पालन किया है।" अपने इन्हीं गुणों के कारण भगवान श्रीराम रीछ, भालू और वानरों की सेना संगठित करने में सफल हुए। इतना ही नहीं उन्होनें अपने शरणागत रक्षा धर्म का पालन करते हुए रावण को छोड़कर आए उसके लधुभ्राता विभीषण को अपनाने में एक क्षण भी नहीं लगाया। इसके साथ ही भगवान श्रीराम कृतज्ञ हैं। मन पर नियंत्रण होने के कारण वे दूसरों के द्वारा किये गये अपराधों को भी भुला देते हैं किन्तु यदि कोई किसी प्रकार एक बार भी उपकार कर देता है तो उसी से वे संतुष्ट रहते हैं और उसको याद रखते हैं। राज्याभिषेक के बाद हनुमान जी को विदा करते हुए कहते हैं–" हे कपिश्रेष्ठ! मुझ पर तुम्हारे ऐसे उपकार हैं कि उनमें एक– एक के बदले अपने प्राण तक दे सकता हूं। फिर भी शेष उपकारों के लिए मुझे तुम्हारा ऋणी बनकर ही रहना होगा। कपिवर तुमने जो भी उपकार किए हैं वे सब मेरे शरीर में ही विलीन हो जाएं अर्थात तुम पर कभी कोई विपत्ति आए ही नहीं। मनुष्य विपत्तियों में पड़ने पर ही प्रत्युपकार का पात्र बनता है।"

सामाजिक समन्वय स्थापित करते हुए श्रीरामचन्द्र जी ने राजधर्म का निर्वहन जिस परिपक्वता से किया उसके कारण ही रामराज्य आज की एक आदर्श राज्य संकल्पना है, जिसमें प्रजा में शारीरिक तथा भौतिक किसी भी प्रकार को कोई कष्ट नहीं थे। सदभाव, सद्विचार तथा सद्भावना और परमार्थ ही परम लक्ष्य होने के कारण प्रजा में परस्पर प्रेम व स्नेह था। छोटे– बड़े ऊँच–नीच का भेदभाव नहीं था। आर्थिक विषमता नहीं थी। चोरी, डकैती और दुराचार जैसे जघन्य अपराध नहीं होते थे।अतः प्रजा सभी प्रकार से सुख का अनुभव करती हुई धर्माचरण में निमग्न थी। इसलिए मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम आज भी जन–जन के नायक व आराध्य है। जिनके चरणों में भक्त अपना तन–मन–धन समर्पित करके इहलोक और परलोक को सफल बनाते हैं। भगवान श्रीराम ही नहीं अपितु पूरे श्रीराम दरबार के सभी सदस्य मर्यादा और अनुशासन का अनुपम उदाहरण हैं। भगवान श्रीराम के जीवन को यदि आज का युवा आदर्श मान कर चले तो आज भी रामराज स्थापित होने में कतई देर नहीं लगेगी आवश्यकता है भगवान श्रीराम के जीवन के आदर्शों को आधुनिक शैली में अपनाने की। भगवान श्रीराम की कृपा से अयोध्या में अब उनके जन्मस्थान पर दिव्य व भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो चुका है तथा लाखों की संख्या में रामभक्त श्रद्धालु अयोध्या पहुंचकर भाव विभोर हो रहे हैं। अयोध्या में राम मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह मंदिर भी सामाजिक समरसता का एक बहुत बड़ा सन्देश दे रहा है। अयोध्या की धरती पर माता शबरी का भी मंदिर है, महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ जी महर्षि वेद व्यास सहित संत रविदास जी का मंदिर भी बन चुका है। इन सभी संत पुरुषों के मंदिरों के दर्शन करके मन में सामाजिक समरसता का भाव जाग्रत होना स्वाभाविक ही है।

रामनवमी व्रत : अनेक जन्मों के पाप करता है भस्म, जानिए पूजा की विधि

रामनवमी एक ऐसा पर्व है जिस पर चौत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को प्रतिवर्ष नए विक्रमी संवत्सर का प्रारंभ होता है और उसके आठ दिन बाद ही चौत्र शुक्ल पक्ष की नवमी को एक पर्व राम जन्मोत्सव का, जिसे रामनवमी के नाम से जाना जाता है, समस्त देश में मनाया जाता है। इस देश की राम और कृष्ण दो ऐसी महिमाशाली विभूतियां रही हैं जिनका अमिट प्रभाव समूचे भारत के जनमानस पर सदियों से अनवरत चला आ रहा है। रामनवमी भगवान राम की स्मृति को समर्पित है। राम सदाचार के प्रतीक हैं और इन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है।

रामनवमी को राम के जन्मदिन की स्मृति में मनाया जाता है। राम को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है जो पृथ्वी पर अजेय रावण (मनुष्य रूप में असुर राजा) से युद्ध लडने के लिए आए। राम राज्य (राम का शासन) शांति व समृद्धि की अवधि का पर्यायवाची बन गया है। रामनवमी के दिन श्रद्धालु बड़ी संख्या में उनके जन्मोत्सव को मनाने के लिए राम जी की मूर्तियों को पालने में झुलाते हैं। इस महान राजा की काव्य तुलसी रामायण में राम की कहानी का वर्णन है३ मर्यादा पुरुषोत्तमः भगवान विष्णु ने राम रूप में असुरों का संहार करने के लिए पृथ्वी पर अवतार लिया और जीवन में मर्यादा का पालन करते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। आज भी मर्यादा पुरुषोत्तम राम का जन्मोत्सव तो धूमधाम से मनाया जाता है, पर उनके आदर्शों को जीवन में नहीं उतारा जाता। अयोध्या के राजकुमार होते हुए भी भगवान राम अपने पिता के वचनों को पूरा करने के लिए संपूर्ण वैभव को त्याग 14 वर्ष के लिए वन चले गए और आज देखें तो वैभव की लालसा में ही पुत्र अपने माता–पिता का काल बन रहा है।

रामनवमी व्रतः रामनवमी के दिन जो व्यक्ति पूरे दिन उपवास रखकर भगवान श्रीराम की पूजा करता है, तथा अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार दान–पुण्य करता है, वह अनेक जन्मों के पापों को भस्म करने में समर्थ होता है।

श्री राम का जन्मः पुरुषोत्तम भगवान राम का जन्म चौत्र मास की शुक्ल पक्ष की नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र तथा कर्क लग्न में कौशल्या की कोख से हुआ था। यह दिन भारतीय जीवन में पुण्य पर्व माना जाता है। इस दिन सरयू नदी में स्नान करके लोग पुण्य लाभ कमाते हैं। अगस्त्यसंहिता के अनुसार 'मंगल भवन अमंगल हारी, दध्वहुसु दशरथ अजिर बिहारिध' अगस्त्यसंहिता के अनुसार चौत्र शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र, कर्क लग्न में जब सूर्य अन्यान्य पांच ग्रहों की शुभ दृष्टि के साथ मेष राशि पर विराजमान थे, तभी साक्षात भगवान श्रीराम का माता कौशल्या के गर्भ से जन्म हुआ। धार्मिक दृष्टि से चौत्र शुक्ल नवमी का विशेष महत्त्व है। त्रेता युग में चौत्र शुक्ल नवमी के दिन रघुकुल शिरोमणि महाराज दशरथ एवं महारानी कौशल्या के यहां अखिल ब्रह्माण्ड नायक अखिलेश ने पुत्र के रूप में जन्म लिया था। राम का जन्म दिन के बारह बजे हुआ था। जैसे ही सौंदर्य निकेतन, शंख, चक्र, गदा, पद्‍म धारण किए हुए चतुर्भुजधारी श्रीराम प्रकट हुए तो माता कौशल्या उन्हें देखकर विस्मित हो गईं। राम के सौंदर्य व तेज को देखकर उनके नेत्र तृप्त नहीं हो रहे थे। देवलोक भी अवधा के सामने श्रीराम के जन्मोत्सव को देखकर फीका लग रहा था। जन्मोत्सव में देवता, ऋषि, किन्नर, चारण सभी शामिल होकर आनंद उठा रहे थे। हम प्रतिवर्ष चौत्र शुक्ल नवमी को राम जन्मोत्सव मनाते हैं और राममय होकर कीर्तन, भजन, कथा आदि में रम जाते हैं। रामनवमी के दिन ही गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना का श्रीगणेश किया था।

रामनवमी की पूजाः हिंदू धर्म में रामनवमी के दिन पूजा की जाती है। रामनवमी की पूजा के लिए आवश्यक सामग्री रोली, ऐपन, चावल, जल, फूल, एक घंटी और एक शंख हैं। पूजा के बाद परिवार की सबसे छोटी महिला सदस्य परिवार के सभी सदस्यों को टीका लगाती है। रामनवमी की पूजा में पहले देवताओं पर जल, रोली और ऐपन चढ़ाया जाता है, इसके बाद मूर्तियों पर मुञ्ठी भरकर चावल चढ़ाए जाते हैं। पूजा के बाद आरती की जाती है और आरती के बाद गंगाजल अथवा सादा जल एकत्रित हुए सभी जनों पर छिडका जाता है। विधिः रामनवमी का व्रत महिलाओं के द्वारा किया जाता है। इस दिन व्रत करने वाली महिला को प्रातरू सुबह उठना चाहिए। घर की साफ–सफाई कर घर में गंगाजल छिडक कर शुद्ध कर लेना चाहिए। इसके पश्चात स्नान करके व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद एक लकड़ी के चौकोर टुकड़े पर सतिया बनाकर एक जल से भरा गिलास रखना चाहिए और अपनी अंगुली से चांदी का छल्ला निकाल कर रखना चाहिए। इसे प्रतीक रूप से गणेशजी माना जाता है। व्रत कथा सुनते समय हाथ में गेहूं–बाजरा आदि के दाने लेकर कहानी सुनने का भी महत्त्व कहा गया है। रामनवमी के व्रत के दिन मंदिर में अथवा मकान पर ध्वजा, पताका, तोरण और बंदनवार आदि से सजाने का विशेष विधि–विधान है। व्रत के दिन कलश स्थापना और राम जी के परिवार की पूजा करनी चाहिए और भगवान श्री राम का दिनभर भजन, स्मरण, स्तोत्रपाठ, दान, पुण्य, हवन, पितृश्राद्ध और उत्सव किया जाना चाहिए।